

VIRAAJ

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)
2023 पर आधारित

नव विद्यान

हिंदी पाठ्यपुस्तक

8



Lesson Plan



Digital Content



Questions Paper Generator



Flip Books

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) कैसे कह सकते हैं कि कर्मवीर मनुष्य में काम करने की अजब धुन होती है ?

उ० कर्मवीर कभी काम करने से पीछे नहीं हटते । वे परिणाम की चिंता नहीं करते बल्कि कार्य करते रहना ही उनका जीवन होता है । उनके अंदर कर्तव्यनिष्ठा, लगन और निरंतर परिश्रम करने की भावना होती है ।

(ख) कर्मवीरों की विशेषताएँ बताइए ।

उ० 1. कर्तव्यनिष्ठ 2. परिश्रमी 3. साहसी और दृढ़ निश्चयी
4. आत्मविश्वासी 5. निराशा से दूर 6. समाज हितैषी

(ग) किसी देश को कर्मवीरों से क्या लाभ होता है ?

उ० कर्मवीर ही देश की उन्नति व समृद्धि का आधार होते हैं । वे अपने परिश्रम व लगन से देश को आगे बढ़ाते हैं । देश को आत्मनिर्भर बनाते हैं । उनके कार्यों से राष्ट्र का गौरव बढ़ता है । समाज में मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा की सीख देते हैं ।

(घ) कर्मवीर अपने मार्ग में आने वाले पर्वत और जलधि का सामना किस प्रकार करते हैं ?

उ० कर्मवीर अपने मार्ग में आने वाले पर्वत और जलधि का सामना साहस, दृढ़ निश्चय और परिश्रम से करते हैं । पर्वत के आने पर चढ़ कर रास्ता बना लेते हैं । अपनी युक्तियों से उड़ा देते हैं । अगर सामने जलधि (समुद्र) हो अर्थात् बड़ी बाधा हो तो अपनी मेहनत व कर्मठता से हर कठिनाई को मात दे देते हैं ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) कर्मवीर से क्या अभिप्राय है –

1. परिश्रमी 2. कायर 3. डरपोक
उ० परिश्रमी

(ख) कर्मवीर असंभव को संभव कर देते हैं –

1. निडरता से 2. कर्मठता से 3. कृपणता से
उ० कर्मठता से

(ग) कर्मवीरों में अजब धुन भरी होती है –

1. काम की 2. सोचने की 3. समझने की
उ० काम की



(घ) कर्मवीर क्षुद्र पानी का घड़ा बना देते हैं –

1. व्योम को □

2. जलधि को □

3. वायु को □

उ० जलधि को

4. काव्य पंक्तियों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बीच में पड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा,

तो बना देते उसे वे क्षुद्र पानी का घड़ा ।

(क) जलधि को क्षुद्र पानी का घड़ा बना देने से क्या अभिप्राय है ?

उ० यदि कोई बड़ा और कठिन कार्य बीच में आकर कठिनाइयाँ पैदा करे, तो कर्मवीर उसे अपने साहस, परिश्रम और समर्पण से नियंत्रित कर देते हैं अर्थात् उसे सरल व आसान बना देते हैं ।

(ख) कर्मवीर बाधाओं का समाधान कैसे करते हैं ?

उ० कर्मवीर बाधाओं का समाधान अपने परिश्रम व साहस से करते हैं । अपनी कोशिशों से वे उसे साधारण और आसान बना देते हैं ।

(ग) “बीच में पड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा” का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उ० अगर कर्मवीर के मार्ग में रुकावटें आती हैं तो कर्मवीर उन बाधाओं का सामना हिम्मत व परिश्रम से करते हैं । रुकावटें उनका कुछ बिगाड़ नहीं सकतीं ।

5. सही मिलान कीजिए –

(क) वन खंगालेंगे करेंगे

(क) होगी भलाई भी तभी

(ख) कर दिखाते हैं

(ख) नया उत्साह उतना ही वहाँ

(ग) देश की औ जाति की

(ग) व्योम में बाज़ीगरी

(घ) वे दिखाते हैं

(घ) असंभव को वही संभव यहाँ

उ० (क) वन खंगालेंगे करेंगे व्योम में बाज़ीगरी

(ख) कर दिखाते हैं असंभव को वही संभव यहाँ

(ग) देश की औ जाति की होगी भलाई भी तभी

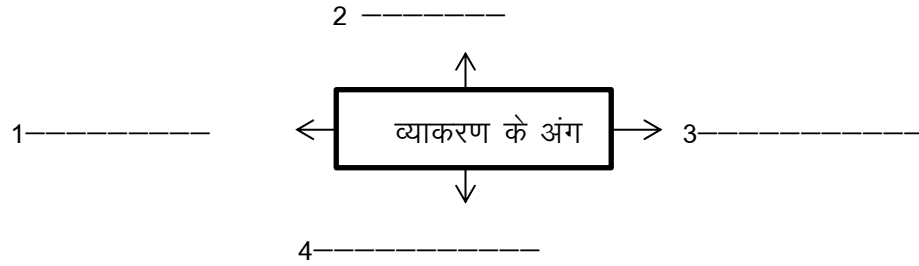
(घ) वे दिखाते हैं नया उत्साह उतना ही वहाँ

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



भाषा का जादू

1. (क) अ. व्याकरण के अंगों को उचित क्रम में लिखिए –



उ० 1. वर्ण विचार 2. शब्द विचार 3. वाक्य विचार 4. पद विचार

ब. कोई शब्द पद कब बन जाता है ?

उ० जब उसका वाक्य में प्रयोग किया जाता है ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. भाषा को शुद्ध रूप से लिखने व बोलने का बोध कराता है –

(1) वाक्य प्रयोग (2) व्याकरण (3) शब्द विचार

उ० व्याकरण

ब. वाक्यों के स्वरूप, भेद आदि का विस्तार से वर्णन किया जाता है –

(1) वर्ण विचार (2) पद विचार (3) वाक्य विचार

उ० वाक्य विचार

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० व्योम – आकाश, नभ, गगन
जलधि – रत्नाकर, सिंधु, समुद्र
पर्वत – गिरि, शैल, नग
बुद्धि – प्रज्ञा, मति, विवेक

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए –

उ० संभव – असंभव उत्साह – निरुत्साह
सपूत – कपूत विरोधी – समर्थक

4. उपसर्ग, मूलशब्द व प्रत्यय अलग करिए –

उ० उपसर्ग मूल शब्द प्रत्यय
विरोधी वि रोध ई



रुकावट		रुक	आवट
संपूत	स	पूत	
भलाई		भला	ई

5. विशेषण रूप लिखिए –

उ० बुद्धि – बुद्धिमान
धन – धनी

भलाई – भला
उत्साह – उत्साही

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) रसीला के परिवार में कौन-कौन थे ?

उ० रसीला के परिवार में बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे ।

(ख) रमज़ान द्वारा रुपए दिए जाने पर रसीला क्या सोचने लगा ?

उ० रमज़ान द्वारा रुपए दिए जाने पर रसीला यह सोचने लगा कि मैंने बाबू साहब की इतनी सेवा की, पर दुख में उन्होंने साथ न दिया । रमज़ान को देखो गरीब है परंतु आदमी नहीं देवता है । ईश्वर उसका भला करे ।

(ग) 'शेख़ साहब न्याय प्रिय व्यक्ति थे।' इस कथन में क्या व्यंग्य है ?

उ० इस कथन में यह व्यंग्य है कि शेख़ सलीमुद्दीन एक भ्रष्ट और बेईमान जिला मजिस्ट्रेट थे जो न्याय नहीं करते थे । उन्होंने एक निर्धन व्यक्ति को मामूली सी गलती के लिए कठोर सज़ा दी ।

(घ) 'बात अठन्नी की' इस कहानी में किस समस्या को दर्शाया गया है ?

उ० 'बात अठन्नी की' कहानी में मुख्य रूप से भ्रष्टाचार, अमीरी-गरीबी के बीच गहरा अंतर और सामाजिक न्याय के अभाव जैसी समस्या को उजागर किया गया है । अमीर और शक्तिशाली लोग रिश्ततखोरी जैसे बड़े अपराधों में शामिल होकर भी सम्मानजनक जीवन जीते हैं जबकि गरीब और कमजोर लोग सिर्फ़ एक छोटी सी भूल के लिए कठोर दंड पाते हैं ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) "मैं तनख्वाह नहीं बढ़ाऊँगा ।" यह कथन है –

1. रमज़ान का

2. सलीमुद्दीन का

3. जगतसिंह का

उ० जगतसिंह का

(ख) शेख़ साहब ने रसीला को सज़ा सुनाई –

1. छह महीने की

2. पाँच महीने की

3. चार महीने की

उ० छह महीने की

(ग) रमज़ान और रसीला में बहुत थी –

1. शत्रुता

2. मित्रता

3. वीरता

उ० मित्रता



(घ) शेख साहब आदमी थे –

1. परमप्रिय

2. लोकप्रिय

3. न्याय प्रिय

उ० न्याय प्रिय

4. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

फैसला सुनकर रमज़ान की आँखों में खून उतर आया । सोचने लगा, “यह दुनिया न्याय नगरी नहीं, अंधेर नगरी है । चोरी पकड़ी गई तो अपराध हो गया । असली अपराधी बड़ी-बड़ी कोठियों में बैठकर दोनों हाथों से धन बटोर रहे हैं । उन्हें कोई नहीं पकड़ता ।”

(क) “यह दुनिया न्याय की नगरी नहीं, अंधेर नगरी है” –कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

उ० कहानी के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि एक गरीब नौकर रसीला को केवल अठन्नी चुराने के अपराध में छह महीने की जेल होती है जबकि इंजीनियर बाबू जैसे रिश्वतखोर लोगों को कोई सजा नहीं होती । यह कहानी समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अन्याय और अमीरों व गरीबों के प्रति दोहरा मापदंड दर्शाती है ।

(ख) फैसला सुनकर रमज़ान की आँखों में खून क्यों उतर आया ?

उ० क्योंकि उसके मित्र रसीला को केवल अठन्नी की चोरी के लिए छह महीने की सजा हुई । रमज़ान को यह न्याय अन्यायपूर्ण लगा ।

(ग) बड़ी-बड़ी कोठियों में बैठकर दोनों हाथों से धन बटोरने वालों को कोई क्यों नहीं पकड़ता ?

उ० क्योंकि न्याय व्यवस्था भ्रष्टाचारी और अमीरों के पक्ष में काम करती है । शक्तिशाली लोग कानून के शिकंजों से बच निकलते हैं, जबकि गरीब और निर्बल वर्ग छोटी-छोटी गलतियों के लिए बड़ी सजा भुगतता है ।

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

“हजार पाँच सौ के चोर नरम गद्दों पर मीठी नींद सो रहे थे, अठन्नी का चोर जेल की तंग अंधेरी कोठरी में पछता रहा था ।”

उ० शेख सलीमुद्दीन और इंजीनियर बाबू जगत सिंह दोनों ही रिश्वत लेते थे लेकिन देश का कानून उनका कुछ नहीं बिगाड़ सका क्योंकि वे प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं । वही आठ आने की चोरी के अपराध में गरीब रसीला को छह महीने की सजा रिश्वतखोर जिला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन ने सुनाई ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



भाषा का जादू

1. (क) अ. स्वर किसे कहते हैं ?

उ० स्वर वह ध्वनि है जिसे हम स्वतंत्र रूप से बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से बोल सकते हैं ।

ब. वर्ण किसे कहते हैं ?

उ० हिंदी भाषा में प्रयुक्त सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है, जिसे विभाजित नहीं किया जा सकता ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. स्वर संख्या में होते हैं –

(1) 10 (2) 13 (3) 11

उ० 11

ब. हिंदी वर्णमाला में वर्ण होते हैं –

(1) 41 (2) 52 (3) 30

उ० 52

2. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

उ० (क) आँखों से आग बरसना – (अत्यधिक क्रोध आना)

बेटे को चोरी करते देख पिता की आँखों से आग बरसने लगी ।

(ख) लातों के भूत बातों से नहीं मानते – (दुष्ट लोग दंड से ही सीधी राह पर आते हैं)

चोर ने जब सीधे ढंग से जुर्म स्वीकार नहीं किया तो पुलिस ने जमकर पिटाई कर दी क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते ।

(ग) चेहरे का रंग उड़ना – (भय या घबराहट से चेहरे का रंग फीका पड़ जाना)

सच्चाई सामने आते ही राम के चेहरे का रंग उड़ने लगा ।

(घ) आँखें भर आना – (आँखों में आँसू आना) विदेश गए बेटे के दुख में माँ की आँखें भर आई ।

3. विलोम शब्द लिखिए –

उ० उदास – प्रसन्न, असली – नकली, मैत्री – शत्रुता, उक्रण – ऋणी

4. वर्ण-विच्छेद कीजिए –

उ० किंतु – क् + इ + न् + त् + उ

साहब – स् + आ + ह् + अ + ब् + अ

पुलिस – प् + उ + ल् + इ + स् + अ

निर्दय – न् + इ + र् + द् + अ + य् + अ



5. उपसर्ग, मूलशब्द व प्रत्यय अलग करिए –

उ०	उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
रसीला		रस	ईला
शौकीन		शौक	ईन
परिश्रम	परि	श्रम	
संकेत	सम्	केत	

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) कमलेश्वर जी के 'श्रमजीवी' प्रकाशन' के लिए मन्नू भंडारी और राजेंद्र जी ने कौन सी पुस्तकें भेजीं ?

उ० कमलेश्वर जी के 'श्रमजीवी प्रकाशन' के लिए मन्नू भंडारी जी ने 'तीन निगाहों की एक तस्वीर' नाम से कहानी-संग्रह की पांडुलिपि भेजी तथा राजेंद्र जी ने कुलटा नाम की उपन्यासिका भेजी ।

(ख) कमलेश्वर जी के लेखन की क्या वास्तविकता थी ?

उ० कमलेश्वर जी जो भी लिखते थे वह एक बार में ही लिख देते थे । लिखने के बाद कोई काट-छाँट नहीं करते थे । उनकी लिखावट बहुत सुंदर थी ।

(ग) कमलेश्वर जी से हुई दूसरी मुलाकात में लेखिका को सब कुछ असहज क्यों लगा ?

उ० कमलेश्वर जी से हुई दूसरी मुलाकात में लेखिका को सब कुछ असहज इसलिए लगा क्योंकि लेखिका को अपने द्वारा संपादित 'नई कहानियाँ' के लिए कमलेश्वर जी से कहानी लेनी थी लेकिन कमलेश्वर जी ने कहानी लिखी नहीं थी । लेखिका के आने पर कमलेश्वर जी कहानी लिखने बैठ गए । लेखिका को गायत्री भाभी जी के पास कॉफी पीने के लिए भेज दिया । गायत्री भाभी जी नमस्ते करके चुपचाप कॉफी बनाने लगीं । लेखिका की न कमलेश्वर जी से बातचीत हुई न गायत्री भाभी से । इसलिए लेखिका को सब कुछ असामान्य सा लगा ।

(घ) मोहन राकेश जी को लेखन कार्य के लिए कैसा वातावरण चाहिए था ?

उ० मोहन राकेश जी को लेखन के लिए कमरे में ए.सी, टाइप राइटर तथा लिखने के लिए शांत वातावरण चाहिए था ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' के आयोजन में लेखिका को आमंत्रित किया –

- | | | |
|-------------|---------------|-------------|
| 1. कमलेश्वर | 2. मोहन राकेश | 3. अमृत राय |
|-------------|---------------|-------------|

उ० अमृत राय

(ख) गरमियों में लेखिका चली गई थीं –

- | | | |
|-----------|------------|----------|
| 1. दिल्ली | 2. कलकत्ता | 3. अजमेर |
|-----------|------------|----------|

उ० अजमेर



(ग) गरमियों में लेखिका पीड़ित थीं –

1. बुखार

2. टाइफाइड

3. चर्मरोग

उ0 चर्मरोग

(घ) लेखिका की कमलेश्वर जी से दूसरी मुलाकात हुई –

1. कलकत्ता में

2. दिल्ली में

3. मुंबई में

उ0 दिल्ली में

4. सही ☒ या गलत ☒ का चिह्न लगाइए –

(क) कमलेश्वर जी ने दीपा के साथ मिलकर 'श्रमजीवी प्रकाशन' खोला ।

उ0 सही

(ख) मन्नू भंडारी ने 'कुलटा' नाम का उपन्यास छपने के लिए भेजा ।

उ0 गलत

(ग) लेखिका पहली और अंतिम बार संपादन कर रही थीं ।

उ0 सही

(घ) कमलेश्वर जी से लेखिका की पहली मुलाकात 1940 में हुई ।

उ0 गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

मैं सोच रही थी कि इतना आसान है कमलेश्वर जी के लिए लिखना ? अपनी आँखों से देखा । कोई तामझाम नहीं । लिखा और बिना किसी काट-छाँट, बदलाव-दोहराव के लिखते चले गए । मेरे लिए चाहे यह अविश्वसनीय हो, पर हकीकत थी यह उनके लेखन की ।

उ0 लेखिका ने कमलेश्वर जी के लेखन की विशेषता का वर्णन किया है कि कमलेश्वर जी के लेखन में कोई बनावटीपन नहीं था । वे जो कुछ भी लिखते थे एक ही बार में लिख देते थे । उसके बाद कोई काट-छाँट या बदलाव-दोहराव नहीं करते थे । यही उनके लेखन की विशेषता थी ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. सार्थक शब्द के भेदों के नाम लिखिए ।

उ0 एकार्थक, अनेकार्थक, समानार्थक, विपरीतार्थक

ब. प्रयोग के आधार पर शब्दों के भेद बताइए ।

उ0 विकारी, अविकारी



(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. जलज शब्द है –

- (1) तत्सम (2) योग रूढ़ (3) तद्भव

उ० योग रूढ़

ब. सूर्य का पर्यायवाची है –

- (1) दिनकर (2) दिन (3) दिवस

उ० दिनकर

2. तत्सम, तद्भव, देशज व विदेशी शब्द पहचानकर लिखिए –

उ०	तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
संपादन, कमेंट	संपादन			कमेंट
हकीकत, मनुहार		मनुहार		हकीकत
मुलाकात, किस्सा				मुलाकात, किस्सा
टाइपराइटर, निश्चित	निश्चित			टाइपराइटर

3. उपसर्ग से तीन-तीन शब्द बनाइए –

उ० सम्	– संहार, संपादन, संपत्ति
प्रति	– प्रत्येक, प्रत्युपकार, प्रतिवेदन
अ	– अमर, अटल, अचल
अन	– अनमोल, अनपढ़, अनहोनी

4. संधि-विच्छेद कीजिए –

उ० कमलेश्वर – कमल + ईश्वर	व्यवस्था – वि + अवस्था
राजेंद्र – राजा + इन्द्र	संग्रह – सम् + ग्रह

5. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० मित्र	– सखा, साथी, दोस्त
रात	– रजनी, निशा, यामिनी
दुख	– व्यथा, वेदना, कष्ट
गरमी	– ग्रीष्म, ताप, निदाघ

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) औली पहुँचने से पहले लेखक को किन-किन क्षेत्रों से गुजरना पड़ा ?

उ० औली पहुँचने से पहले लेखक को हरिद्वार व जोशीमठ से गुजरना पड़ा ।

(ख) औली के सौंदर्य का वर्णन कीजिए ?

उ० औली में चारों तरफ बर्फ से लदी पहाड़ियाँ थीं । शिखर का तापमान शून्य से पाँच डिग्री नीचे था । 50 हेक्टेयर क्षेत्र में वनौषधियाँ लगाई गई थीं । आसमान से गिरती बर्फ ऐसे लग रही थी जैसे रुई के फोहे नर्म बर्फ के रूप में गिर रहे हो। लेखक को स्वर्ग का सा अनुभव हुआ ।

(ग) जोशीमठ में स्थित नृसिंह मंदिर में बद्रीनाथ की पूजा क्यों की जाती है ?

उ० जब बद्रीनाथ में 6 महीने के लिए पट बंद कर दिए जाते हैं तब भगवान बद्रीनाथ की पूजा जोशीमठ में स्थित नृसिंह मंदिर में की जाती है ।

(घ) रोप-वे में बैठकर यात्रा करने पर लेखक को किस सौंदर्य की अनुभूति हुई ?

उ० रोप-वे में बैठकर यात्रा करने पर लेखक को रोमांचकारी अनुभव हुआ । उन्हें ऐसा लगा जैसे वे स्वर्ग की यात्रा कर रहे हों ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) भारत का प्रसिद्ध स्कीइंग शिक्षण संस्थान है –

1. मसूरी

2. हरिद्वार

3. औली

उ० औली

(ख) औली में वनौषधियाँ लगाई गई थीं ?

1. 30 हेक्टेयर

2. 20 हेक्टेयर

3. 50 हेक्टेयर

उ० 50 हेक्टेयर

(ग) केम्प्टी फाल्स स्थित है –

1. हरिद्वार

2. ऋषिकेश

3. मसूरी

उ० मसूरी

(घ) लेखक ने वहाँ के निवासियों के साथ लोकगीतों की धुन पर डांस किया –



1. राजस्थानी लोकगीत 2. नेपाली लोकगीत 3. पहाड़ी लोकगीत
उ० नेपाली लोकगीत

4. सही मिलान कीजिए –

- | | |
|--------------------------------|---|
| (क) रोप-वे पर बैठने पर लेखक को | (क) लुत्फ ले रहे थे । |
| (ख) पूरी सड़क | (ख) बर्फ से ढकी हुई थी । |
| (ग) माल रोड पर घूमने पर | (ग) रोमांचकारी अनुभव हुआ । |
| (घ) पर्यटक काफी संख्या में | (घ) वहाँ की व्यवस्थित बनावट का नजारा देखते ही बनता है । |

उ० (क) रोप-वे पर बैठने पर लेखक को रोमांचकारी अनुभव हुआ ।

- (ख) पूरी सड़क बर्फ से ढकी हुई थी ।
(ग) माल रोड पर घूमने पर वहाँ की व्यवस्थित बनावट का नजारा देखते ही बनता है ।
(घ) पर्यटक काफी संख्या में लुत्फ ले रहे थे ।

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

औली में स्नोकार्टिंग का आनंद ले रहे थे, तभी बादल घिर आए और आसमान से गिरती बर्फ ऐसे लग रही थी जैसे रुई के फाहे नर्म बर्फ के रूप में गिर रहे हों ।

उ० लेखक ने औली के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन किया है कि लेखक जब औली में स्नोकार्टिंग का मजा ले रहे थे तो अचानक आसमान बादलों से घिर गया और बर्फ गिरने लगी । आसमान से गिरती श्वेत बर्फ रुई के समान कोमल लग रही थी ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. शब्द पद कब बन जाता है ? सोदाहरण समझाइए ।

उ० जब शब्द का प्रयोग वाक्य में किया जाता है तो व्याकरण के नियमों में बँधकर उसका रूप बदल जाता है, तब वह पद बन जाता है । जैसे – सीता कपड़े सिलती है ।



ब. पद कितने प्रकार के होते हैं ?

उ० पद पाँच प्रकार के होते हैं — संज्ञा पद, सर्वनाम पद, क्रिया पद, विशेषण पद, अव्यय पद (क्रिया-विशेषण, संबंध बोधक अव्यय, विस्मयादि बोधक अव्यय, समुच्चय बोधक अव्यय)

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. वाक्य में प्रयुक्त सार्थक शब्द कहलाते हैं —

(1) संज्ञा (2) सर्वनाम (3) पद

उ० पद

ब. राम फल खाता है। रेखांकित पद है —

(1) क्रिया (2) व्यक्तिवाचक संज्ञा (3) जातिवाचक संज्ञा

उ० जातिवाचक संज्ञा

2. विशेषण शब्द बनाइए —

उ० पर्वत — पर्वतीय

अनुभव — अनुभवी

आनंद — आनंदित

बर्फ — बर्फीला

3. उपसर्ग व प्रत्यय से से तीन-तीन शब्द बनाइए —

उ० उपसर्ग — प्र — प्रसिद्ध, प्रचार, प्रताप

वि — विशुद्ध, विचार, विरक्त

प्रत्यय — ता — सफलता, मादकता, मधुरता

आई — लड़ाई, चढ़ाई, पढ़ाई

4. रेखांकित पद का व्याकरणिक परिचय दीजिए —

पूरी सड़क बर्फ से ढकी हुई थी ।

उ० पद परिचय — सड़क — जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक ।

5. संधि-विच्छेद कीजिए —

उ० उत्तरांचल — उत्तर + अंचल

उद्गम — उत् + गम

दर्शनार्थ — दर्शन + अर्थ

सर्वोच्च — सर्व + उच्च

गतिविधि — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) बाल्यकाल में शरारत करने पर विवेकानंद जी के माता-पिता क्या सोचते थे ?

उ० बाल्यकाल में शरारत करने पर विवेकानंद जी के माता-पिता सोचते थे इतना जप-तप करने के बाद अंत में शिवजी ने पुण्यात्मा भेजने के बजाय हमारे पास इस भूत को भेज दिया ।

(ख) सभी धर्मों का अध्ययन करने के पश्चात् स्वामी जी किस निष्कर्ष पर पहुँचे ?

उ० सभी धर्मों का अध्ययन करने के पश्चात् स्वामी जी इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि सभी धर्मों का अंतिम लक्ष्य एक ही है जो अलग-अलग मार्गों से प्राप्त होता है ।

(ग) स्वामी जी के किस प्रश्न पर वक्ता अचंभित रह जाते थे तथा किसने उनकी जिज्ञासा को शांत किया ?

उ० स्वामी जी जब धर्म की खोज में एक जगह से दूसरी जगह जाते और हर जगह व्याख्यान सुनने के बाद वक्ताओं से पूछते, “क्या आपने ईश्वर को देखा है ?” उनके इसी प्रश्न पर वक्ता अचंभित रह जाते थे । रामकृष्ण परमहंस जी ने कहा कि “ मैंने देखा है । मैं तुम्हें भी ईश्वर के दर्शन-लाभ की राह दिखा दूँगा ।

(घ) पर्वत की चोटी के बीच आई दरार को मधुमक्खियों के द्वारा मधुकोश से भर देने से क्या शिक्षा मिलती है ?

उ० पर्वत की दरार को मधुमक्खियों द्वारा मधुकोश से भरने की घटना से यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी बाधा को मिलकर निरंतर प्रयास, आत्म विश्वास, दृढ़ निश्चय तथा अथक परिश्रम से पार किया जा सकता है । छोटी-छोटी कोशिशें मिलकर बड़ी सफलता का रूप ले लेती हैं ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) आँखें बंद करते समय स्वामी जी को दिखाई पड़ता था –

1. पर्वत

2. साधु

3. प्रकाश बिंदु

उ० प्रकाश बिंदु

(ख) वैज्ञानिक शोध के प्रहार के कारण ढह रहे थे –

1. मकान

2. पुराने अंधविश्वास

3. मिट्टी के बर्तन

उ० पुराने अंधविश्वास

(ग) मन को एकाग्र करने पर स्वामी विवेकानंद को आकृति दिखाई दी –

1. स्वामी दयानंद की 2. भगवान बुद्ध की 3. रामकृष्ण परमहंस की

उ० भगवान बुद्ध की

(घ) 'मैं तुम्हें भी ईश्वर के 'दर्शन-लाभ' की राह दिखा दूँगा ।' कथन है –

1. स्वामी विवेकानंद 2. महर्षि देवेन्द्रनाथ 3.  रामकृष्ण परमहंस

उ० रामकृष्ण परमहंस

4. सही ☒ या गलत ☐ का चिह्न लगाइए –

(क) दो पर्वत सँकरे वनपथ पर शोक में डूबे हुए थे ।

उ० गलत

(ख) ईश्वर को देखने के विवेकानंद के विचार से वक्ता अचंभित हो जाते थे ।

उ० सही

(ग) स्वामी जी वैरागी बनकर सर्दिस के साथ लड़ते थे ।

उ० गलत

(घ) स्वामी जी ने सफेद चूहे के उदाहरण से समझाया है कि दूसरों की भलाई हमारे भीतर की अच्छाई जगाती है ।

उ० सही

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

पर्वत की चोटी से लेकर नीचे तक बहुत बड़ी दरार थी । उस दरार को भरकर उस पर मधुमक्खियों के युगों के श्रम का परिणाम एक बहुत बड़ा मधुकोश लटका हुआ था ।

उ० रायपुर जाते समय लेखक जब जंगल से गुज़र रहे थे तो उन्होंने देखा कि दो पर्वत शिखर एक-दूसरे से लिपटे हुए थे। लेकिन उस पर्वत शिखर के नीचे देखा तो बहुत बड़ी दरार थी जिसे मधुमक्खियों ने अपने अथक प्रयास से मधुकोश से भर दिया था अर्थात् छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी से बड़ी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त की जा सकती है ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू



1. (क) अ. वाक्य किसे कहते हैं ?

उ० सार्थक शब्दों के व्यवस्थित और क्रमबद्ध समूह को वाक्य कहते हैं ।

ब. रचना के आधार पर वाक्य के भेद बताइए ।

उ० रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं —

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए । रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए ।

- (1) सरल (2) संयुक्त (3) मिश्र

उ० मिश्र

ब. ममता आई और चली गई । रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए ।

- (1) सरल (2) संयुक्त (3) मिश्र

उ० संयुक्त

2. वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए —

(क) दुनिया में बहुत दुख है इसलिए दूसरों की मदद करनी चाहिए । (सरल वाक्य)

उ० दुनिया में बहुत दुख होने के कारण दूसरों की मदद करनी चाहिए ।

(ख) जब स्वामी जी कलकत्ता में विद्यार्थी थे, तब धार्मिक प्रवृत्ति के थे । (संयुक्त वाक्य)

उ० स्वामी जी कलकत्ता में विद्यार्थी थे और धार्मिक प्रवृत्ति के थे ।

(ग) पर्वत की चोटी से लेकर नीचे तक बहुत बड़ी दरार थी । (मिश्र वाक्य)

उ० पर्वत की चोटी से लेकर नीचे तक दरार थी, जो बहुत बड़ी थी ।

(घ) धीरे-धीरे चलती हुई गाड़ी वहाँ पहुँची, जहाँ दो पर्वत शिखर थे । (सरल वाक्य)

उ० धीरे-धीरे चलती हुई गाड़ी दो पर्वत शिखर के पास पहुँची ।

3. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए —

- उ० पर्वत — नग, गिरि, अचल
शिक्षक — गुरु, अध्यापक, आचार्य
शिव — महादेव, भोलेनाथ, महेश
पक्षी — खग, विहग, पखेरू



4. भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उ० विद्रोही – विद्रोह

दुष्ट – दुष्टता

शरारती – शरारत

ईश्वर – ऐश्वर्य

5. विशेषण शब्द बनाइए –

उ० धर्म – धार्मिक

दर्शन – दर्शनीय

विज्ञान – वैज्ञानिक

भावना – भावुक

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) 'सुख के मिले समंदर' से क्या तात्पर्य है ? भाव स्पष्ट करिए ।

उ० जब मनुष्य जीवन-संघर्षों से टूट चुका हो, उसका अन्तर्मन दुख, थकान और निराशा से भर गया हो तब उसके सामने सुख का सागर भी आ जाए तो उस सुख का कोई महत्त्व नहीं ।

(ख) वर्षा और फसल का प्रतीकात्मक अर्थ स्पष्ट करिए ।

उ० फसल – उपलब्धियाँ या प्रयासों का फल

वर्षा – जीवन में मिलने वाले सुख, अवसर या मदद

जब संसाधनों की कमी से जीवन के प्रयास बिखर जाएं तब बाद में मिलने वाले सुख, मदद या अवसर का जीवन में कोई महत्त्व नहीं रह जाता ।

(ग) 'सुख-साधन' और 'काया रोगों का घर' में क्या विरोधाभास है ?

उ० जीवन में साधन तो है पर शरीर बीमारियों और कष्टों से भरा है तो सुख का अनुभव नहीं हो पाता । यही विरोधाभास कविता में व्यक्त किया गया है ।

(घ) कविता में किन-किन परिस्थितियों का वर्णन है, जिनमें सुख का अर्थ खो जाता है ?

उ० सुख का अर्थ निम्नलिखित परिस्थितियों में खो जाता है : जब जीवन के संघर्षों से मन टूट चुका हो, जब फसल सूख जाए और वर्षा का कोई लाभ न हो, जब दुखों में साथ देने वाले रिश्ते सुख में बेकार हो जाएं, जब कटुवाणी से मन घायल हो और प्रिय वचनों का कोई मूल्य न रहे, और जब शरीर रोगों से ग्रस्त हो और सुख-सुविधाओं का कोई अर्थ न रह जाए ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) कविता में 'कोई अर्थ नहीं' वाक्यांश का अर्थ है –

1. अर्थ की खोज

2. कोई महत्त्व नहीं

3. अर्थपूर्ण

उ० कोई महत्त्व नहीं

(ख) कविता में अंतर्मन से तात्पर्य है –

1. बाहरी दुनिया

2. शारीरिक कष्ट

3. मन की आंतरिक स्थिति

उ० मन की आंतरिक स्थिति

(ग) शरीर के अस्वस्थ रहने पर महत्त्व नहीं रहता —

1. काया का 2. सुख साधन का 3. छाया का

उ० सुख साधन का

(घ) कविता का मुख्य भाव है —

1. सुख का महत्त्व 2. संघर्ष का महत्त्व 3. समय पर कार्य करने का महत्त्व

उ० समय पर कार्य करने का महत्त्व

4. सही मिलान कीजिए —

(क) मन कटुवाणी से आहत हो

(क) रह जाता कोई अर्थ नहीं

(ख) संबंध कोई भी हो लेकिन

(ख) तिनका—तिनका बन गिर जाए

(ग) जब फसल सूखकर जल के बिन

(ग) यदि दुख में साथ न दे अपना

(घ) फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का

(घ) भीतर तक छलनी हो जाए

उ० (क) मन कटुवाणी से आहत हो भीतर तक छलनी हो जाए ।

(ख) संबंध कोई भी हो लेकिन यदि दुख में साथ न दे अपना ।

(ग) जब फसल सूखकर जल के बिन तिनका—तिनका बन गिर जाए ।

(घ) फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का रह जाता कोई अर्थ नहीं ।

5. आशय स्पष्ट कीजिए —

“जब फसल सूखकर जल के बिन,

तिनका—तिनका बन गिर जाए,

फिर होने वाली वर्षा का,

रह जाता कोई अर्थ नहीं ।”

उ० जब संघर्ष और असफलता व्यक्ति को तोड़ देती है तब सुख और अवसर का कोई महत्त्व नहीं रहता । जैसे — फसल के सूख जाने पर वर्षा का कोई महत्त्व नहीं रहता ।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

उ० अर्थ की दृष्टि से वाक्य के आठ भेद होते हैं —



- | | | |
|--------------|---------------|---------------|
| 1. विधानवाचक | 2. निषेधवाचक | 3. प्रश्नवाचक |
| 4. आज्ञावाचक | 5. विस्मयवाचक | 6. इच्छावाचक |
| 7. संकेतवाचक | 8. संदेहवाचक | |

ब. इच्छावाचक वाक्य के दो उदाहरण दीजिए ।

उ० 1. काश आज बारिश होती ।

2. मैं चाहता हूँ कि मेरी परीक्षा अच्छी हो ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

1. अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद नहीं है –

(अ) विधानवाचक वाक्य

(ब) प्रश्नवाचक वाक्य

(स) संयुक्त वाक्य

उ० संयुक्त वाक्य

2. वाह! क्या शानदार प्रदर्शन था । – वाक्य का भेद बताइए ।

(अ) विधानवाचक वाक्य

(ब) इच्छावाचक वाक्य

(स) विस्मयवाचक वाक्य

उ० विस्मयवाचक वाक्य

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० संघर्ष	– झगड़ा, टकराव, लड़ाई
समुद्र	– सागर, जलधि, वारिधि
सुख	– आनंद, प्रसन्नता, उल्लास
वाणी	– वचन, गिरा, भाषा

3. विलोम शब्द लिखिए –

उ० अंतर्मन – बहिर्मन

वर्षा – सूखा

संबंध – विच्छेद, वियोग

आहत – अनाहत

4. तद्भव व तत्सम शब्द अलग कीजिए –

समंदर, काया, आहत, अग्नित, क्षण, वर्षा

उ० तद्भव – समंदर, काया, अग्नित, क्षण

तत्सम – आहत, वर्षा



5. विग्रह करके समास का नाम बताइए –

उ० कटुवाणी –

कटु है जो वाणी (कर्मधारय समास)

सुख-साधन –

सुख के साधन (तत्पुरुष समास)

प्रियवचन –

प्रिय है जो वचन (कर्मधारय समास)

रोग-ग्रस्त –

रोग से ग्रस्त (तत्पुरुष समास)

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) भोगी पोंगल कब और क्यों मनाया जाता है ?

उ० यह पोंगल त्योहार का पहला दिन होता है । इस दिन वर्षा के देवता इंद्र देव की पूजा की जाती है और अच्छी वर्षा व फसल के लिए प्रार्थना की जाती है ।

(ख) मट्टू पोंगल किस दिन और कैसे मनाया जाता है ?

उ० मट्टू पोंगल तीसरे दिन मनाया जाता है । इस दिन कृषि पशुओं जैसे बैल और गाय का सम्मान होता है । उन्हें नहलाकर उनके सींगों को रंगा जाता है तथा फूल की मालाओं व रंगीन मोतियों से सजाकर सम्मान देते हुए पोंगल खिलाया जाता है ।

(ग) पोंगल त्योहार के चौथे दिन का वर्णन करिए ।

उ० पोंगल त्योहार के चौथे दिन लोग परिवार के सदस्य व मित्रों को बधाई व उपहार देते हैं । इस दिन वे लोग मीठा पोंगल, पान के पत्ते, सुपारी, गन्ने के दो डंडे, रंगीन चावल और अन्य व्यंजन हल्दी के पत्तों पर रखकर आँगन में रखते हैं । यह प्रसाद पक्षियों के लिए होता है । सभी महिलाएँ एक साथ आँगन में इकट्ठा होकर अपने भाइयों के कुशल मंगल की प्रार्थना करती हैं ।

(घ) पोंगल शब्द को परिभाषित करिए ।

उ० पोंगल का शाब्दिक अर्थ 'उबलना' या 'बहना' है । पोंगल शब्द की उत्पत्ति तमिल के 'पोंगु' शब्द से हुई है । गुड़ और चावल को उबालकर सूर्य को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद का नाम ही पोंगल है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) पोंगल शब्द है –

1. पंजाबी

2. गुजराती

3. तमिल

उ० तमिल

(ख) सूर्य पोंगल का दूसरा नाम हैं –

1. सूर्य पोंगल

2. थाई पोंगल

3. कोलम पोंगल

उ० थाई पोंगल



(ग) पोंगल के त्योहार में घर के मुख्य द्वार पर बनाया जाता है –

1. सोलम
2. कोलम
3. पोंगल

उ० कोलम

(घ) पोंगल का त्योहार मनाया जाता है –

1. मार्च में
2. जनवरी में
3. जून में

उ० जनवरी में

4. विभिन्न राज्यों में जिस नाम से ये त्योहार मनाए जाते हैं, उनका सही मिलान कीजिए—

उ० (क) लोहड़ी – पंजाब

(ख) पोंगल – तमिलनाडु

(ग) ओणम – केरल

(घ) बिहू – असम

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

यह उत्सव सामूहिकता, एकता और हमारे पारंपरिक मूल्यों की याद दिलाता है । यह उत्सव खुशी, समृद्धि और अच्छी फसल के धन्यवाद का प्रतीक है ।

उ० इन पंक्तियों के माध्यम से यह बताया गया है कि पोंगल में सभी लोग मिलकर अपनी परंपराओं को निभाते हैं । इस उत्सव के माध्यम से लोग मिल जुलकर फसल की खुशी मनाते हैं तथा कृषि में सहयोग देने वाले पशु, इन्द्र देव, सूर्य देव सभी का धन्यवाद करते हैं । आपसी प्रेम व सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. संज्ञा के कितने भेद होते हैं ?

उ० संज्ञा के पाँच भेद होते हैं व मुख्य रूप से तीन भेद होते हैं –

व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक, समूहवाचक, द्रव्यवाचक

ब. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं ?

उ० जो संज्ञा किसी गुण, भाव या अवस्था का बोध कराती है । भाववाचक संज्ञा कहलाती है । जैसे – सुंदरता, क्रोध, प्रेम आदि ।



(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. मिठास शब्द में संज्ञा का भेद बताइए ।

- (1) जातिवाचक (2) व्यक्तिवाचक (3) भाववाचक

उ० भाववाचक

ब. जातिवाचक संज्ञा पहचानिए ।

- (1) लड़का (2) कानपुर (3) मोहन

उ० लड़का

2. विलोम शब्द लिखिए –

उ० सम्मान – अपमान

मित्र – शत्रु

पारंपरिक – आधुनिक

बंधन – मुक्ति

3. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० पशु – चौपाया, ढोर, डंगर

इंद्र – सुरेश, देवराज, सुरपति

फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम

प्रार्थना – विनती, निवेदन, याचना

4. क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उ० सजाना – सजावट

समर्पित – समर्पण

पूजना – पूजा

काटना – कटाई

5. वर्ण-विच्छेद करिए –

उ० अर्पित – अ + र् + प् + इ + त् + अ

कृषि – क् + ऋ + ष् + इ

प्रतीक – प् + र् + अ + त् + ई + क् + अ

दक्षिण – द् + अ + क् + ष् + इ + ण् + अ

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) भगत सिंह ने साथियों के नाम लिखे अपने अंतिम पत्र में क्या इच्छा व्यक्त की ?

उ0 भगत सिंह ने साथियों के नाम लिखे अंतिम पत्र में यह इच्छा व्यक्त की कि उनका फाँसी पर चढ़ना क्रांति के लिए एक प्रेरणा स्रोत बने । जिससे देश की आज़ादी के लिए लड़ने वाले और भी ज्यादा लोग सामने आएँ । अगर वे जीवित बचते हैं तो वे अपनी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने के लिए देश और मानवता के लिए काम करेंगे ।

(ख) भगत सिंह ने अपने छोटे भाई कुलबीर के नाम लिखे पत्र में क्या चिन्ता प्रकट की ?

उ0 छोटे भाई कुलबीर सिंह के नाम लिखे अंतिम पत्र में अपने परिवार के भविष्य को लेकर चिन्ता व्यक्त की कि वे परिवार के लिए कुछ खास नहीं कर पाए और उनकी मृत्यु के बाद परिवार का गुज़ारा कैसे होगा । उन्होंने कुलबीर से हौसला बनाए रखने, परिवार के साथ मोहब्बत से मिलजुलकर रहने, पिता की सलाह के अनुसार सब कुछ करने व छोटे भाई कुलतार की पढ़ाई की चिन्ता भी कुलबीर को सौंपी ।

(ग) 'कुलबीर के नाम लिखे अंतिम पत्र' में भगत सिंह ने कुलतार की कौन सी जिम्मेदारी कुलबीर को सौंपी ?

उ0 कुलबीर के नाम लिखे अंतिम पत्र में भगत सिंह ने कुलतार की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी कुलबीर को सौंपी तथा स्वयं जिम्मेदारी न निभा पाने के लिए अफसोस व्यक्त किया ।

(घ) भगत सिंह के इन पत्रों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

उ0 भगत सिंह के अंतिम पत्र से हमें बलिदान, साहस, राष्ट्रप्रेम और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने की प्रेरणा मिलती है । उन्होंने अपने पत्र में यह स्पष्ट किया कि उनका बलिदान क्रांति के लिए प्रतीक बनेगा, जिससे युवा प्रेरित होंगे ।

1. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) भगत सिंह को फाँसी दी गयी –

1. 3 मार्च, 1913

2. 23 मार्च, 1931

3. 22 मार्च, 1931

उ0 23 मार्च, 1931

(ख) क्रांतिकारी दल के आदर्शों और कुर्बानियों ने ऊँचा उठाया –

1. कुलतार सिंह को

2. भगत सिंह को

3. कुलबीर सिंह को

उ0 भगत सिंह को



(ग) रूसी क्रांति के जनक थे –

1. नेल्सन मंडेला

2. लेनिन

3. जॉर्ज वाशिंगटन

उ० लेनिन

(घ) शहीद होने के एक दिन पहले भगत सिंह ने पत्र लिखा था –

1. सुखदेव को

2. साथियों को

3. पिता को

उ० साथियों को

4. किसने, किससे कहा –

(क) मैं कैद होकर या पाबंद होकर जीना नहीं चाहता ।

उ० भगत सिंह ने साथियों से

(ख) “ठहरिए ! पहले एक क्रांतिकारी दूसरे से मिल तो ले ।”

उ० भगत सिंह ने अधिकारियों से

(ग) अमेरिका जा सकते तो बहुत अच्छा होता ।

उ० भगत सिंह ने कुलवीर से

(घ) मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है ।

उ० भगत सिंह ने साथियों से

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

जिंदगी बड़ी सख्त है और दुनिया बड़ी बेमुरव्वत

सिर्फ़ मुहब्बत और हौंसले से ही गुज़ारा हो सकेगा ।

उ० भगत सिंह ने अपने छोटे भाई कुलवीर सिंह को लिखे अंतिम पत्र में यह समझाया कि जीवन संघर्षों से भरा हुआ है तथा दुनिया में स्वार्थ व निर्दयता भरी हुई है । ऐसे में निराश नहीं होना । केवल प्यार और हौंसला ही ऐसे साधन हैं जिसके द्वारा कठिनाइयों का सामना किया जा सकता है ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. सर्वनाम किसे कहते हैं ?

उ० संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं ।

ब. प्रश्नवाचक सर्वनाम के दो उदाहरण दीजिए ।

उ० 1. कौन तुम्हारा मित्र है ?

2. तुम कहाँ रहते हो ?



(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. दाल में कुछ पड़ा है । रेखांकित पद में सर्वनाम बताइए –

- (1) पुरुषवाचक सर्वनाम (2) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (3) प्रश्नवाचक सर्वनाम

उ० अनिश्चयवाचक सर्वनाम

ब. सर्वनाम के भेद हैं –

- (1) चार (2) पाँच (3) छह

उ० छह

2. शुद्ध वर्तनी लिखिए –

उ० इंतज़ार, इंतजार, इंतेजार	– इंतज़ार
शक्तीयों, शक्तियों, शक्तियों	– शक्तियों
शड्यंत्र, षड्यंत्र, सड्यंत्र	– षड्यंत्र
महत्व, महत्त्व, महत्तव	– महत्त्व

3. लिंग पहचानकर लिखिए –

उ० विचार – पुल्लिंग	ज़िंदगी – स्त्रीलिंग
मुसीबत – स्त्रीलिंग	परीक्षा – स्त्रीलिंग

4. उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाइए –

उ० बे	– बेमुरब्बत, बेपरवाह, बेताब
सत्	– सज्जन, सद्गति, सत्संगति
बद	– बददुआ, बदनाम, बदतर
दुर्	– दुर्दशा, दुर्गम, दुर्लभ

5. शब्द युग्मों के अर्थ बताइए –

उ० बलि	– बलिदान देना	लक्ष्य	– उद्देश्य
बली	– ताकतवर	लक्ष	– लाख
प्रमाण	– साक्ष्य	दिन	– समय की इकाई
प्रणाम	– अभिवादन	दीन	– गरीब

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।



उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) घर लौटने पर वृक्ष के अभाव में कवि किन यादों में खो गए ?

उ० घर लौटने पर वृक्ष के अभाव में कवि दुखी हो गए । वे उसकी छाँव, ताजी हवा, फलों-फूलों और घर के दरवाजे को सूना देखकर उसकी यादों में खो गए । उन्हें वे दिन याद आ गए जब वह वृक्ष उनके घर का अभिन्न हिस्सा था । सर्दी, गर्मी, धूप, बारिश सभी को सहन करता हुआ घर के दरवाजे पर लहलहाता था ।

(ख) घर, शहर और देश के अलावा कवि किन चीजों को बचाने की बात करता है और क्यों ?

उ० घर, शहर और देश के अलावा वृक्षों और प्रकृति को बचाने की बात करता है । अगर हम वृक्ष को नष्ट करते रहेंगे तो जीवन स्वयं नष्ट हो जाएगा क्योंकि वृक्ष हमें प्राण वायु (ऑक्सीजन), छाया, फल, फूल, वर्षा और हरियाली प्रदान करते हैं । पर्यावरण के रक्षक हैं ।

(ग) कवि को वृक्ष, बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता है ?

उ० कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार इसलिए लगता है क्योंकि वह लंबे समय से उसी स्थान पर अडिग खड़ा था और घर, आँगन तथा पास के वातावरण की रक्षा करता था ।

(घ) 'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें ।

उ० 'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक अत्यंत सार्थक और प्रभावशाली है । कवि ने वृक्ष को पेड़ नहीं बल्कि जीवित प्राणी के रूप में देखा है । जब कोई वृक्ष काटा जाता है तो कवि को ऐसा लगता है मानो किसी निर्दोष प्राणी की हत्या की जा रही है । इस प्रकार कविता का संदेश और उद्देश्य वृक्षों की रक्षा और पर्यावरण के संरक्षण को पूरी तरह प्रकट करता है । अतः यह शीर्षक पूर्णतः सार्थक है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) घर लौटने पर कवि को दिखाई नहीं दिया –

1. उसकी माँ

2. नया वृक्ष

3. बूढ़ा चौकीदार पेड़

उ० बूढ़ा चौकीदार पेड़

(ख) 'एक वृक्ष की हत्या' कविता उजागर करती है –

1. धन की समस्या

2. देश की समस्या

3. पर्यावरण संकट की समस्या

उ० पर्यावरण संकट की समस्या

(ग) कवि के अनुसार जंगल को बचाना है —

1. धुआँ हो जाने से
 2. मरुस्थल हो जाने से
 3. देश के दुश्मनों से
- उ० मरुस्थल हो जाने से

(घ) कविता में वृक्ष की सूखी डाल की तुलना की गई है —

1. तलवार
 2. राइफल
 3. छड़ी
- उ० राइफल

4. सही मिलान कीजिए —

- | | |
|----------------------|------------------------|
| (क) शहर को बचाना है | (क) लुटेरों से |
| (ख) देश को बचाना है | (ख) मरुस्थल हो जाने से |
| (ग) घर को बचाना है | (ग) नादिरों से |
| (घ) बचाना है जंगल को | (घ) देश के दुश्मनों से |
- उ० (क) शहर को बचाना है नादिरों से
(ख) देश को बचाना है देश के दुश्मनों से
(ग) घर को बचाना है लुटेरों से
(घ) बचाना है जंगल को मरुस्थल हो जाने से

5. आशय स्पष्ट कीजिए —

धूप में, बारिश में, गर्मी में, सर्दी में,
हमेशा चौकन्ना, अपनी खाकी वर्दी में ।

उ० कवि ने इस पंक्ति में चौकीदार के रूप में तैनात वृक्ष का स्मरण किया है कि घर के दरवाजे पर लगा वृक्ष चाहे धूप हो, वर्षा हो, सर्दी हो या गर्मी सब कुछ सहकर शीतल छाया, फल-फूल व ऑक्सीजन देता था । ऐसे वृक्ष को काटना मानवता की हत्या के समान है ।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. क्रिया किसे कहते हैं ?

उ० जिस शब्द अथवा शब्द-समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा किए जाने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं ।



ब. कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद हैं ?

उ० कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं –

1. सकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. “हमें वृक्षों को बचाना है।” में क्रिया का भेद है –

- (1) सकर्मक
- (2) अकर्मक
- (3) प्रेरणार्थक

उ० सकर्मक

ब. सकर्मक क्रिया पहचानिए –

- (1) धुआँ उड़ रहा है।
- (2) वर्षा हो रही है।
- (3) सीता फल खाती है।

उ० सीता फल खाती है।

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० (क) वृक्ष – पादप, पेड़, तरु

(ख) फूल – पुष्प, कुसुम, सुमन

(ग) जंगल – अरण्य, कानन, विपिन

(घ) हवा – वायु, बयार, पवन

3. कारक चिह्न पहचानकर कारक का नाम लिखिए –

उ० (क) वर्षा में चारों तरफ हरियाली छा जाती है ।

(अधिकरण कारक)

(ख) हमें जंगल को मरुस्थल हो जाने से बचाना होगा ।

(कर्म कारक)

(ग) वृक्ष कवि को ललकारता है ।

(कर्ता कारक)

(घ) कवि पेड़ की छाया में बैठ गया ।

(संबंधकारक और अधिकरण कारक)

4. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए –

उ० (क) वर्षा का बिल्कुल न होना

– अनावृष्टि

(ख) जो भूमि उपजाऊ हो

– उर्वर



(ग) जो कानून के विरुद्ध हो

— अवैध

(घ) जो ऊपर कहा गया हो

— उपर्युक्त

5. क्रिया-पदों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए —

(क) बच्चा रोता है ।

— अकर्मक

(ख) राम पत्र लिखता है ।

— सकर्मक

(ग) उसने फल खरीदे ।

— सकर्मक

(घ) पतंग उड़ती है ।

— अकर्मक

गतिविधि — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) गोरी ने पृथ्वीराज को बंदीगृह में किस प्रकार की यातनाएँ दीं ? वर्णन करिए ।

उ० गोरी ने पृथ्वीराज को गोर के किले में कैद करके उनकी आँखें फोड़ दी थीं क्योंकि पृथ्वीराज ने गुस्से में उसे कुछ अपमानजनक बातें कही थीं । साथ ही उनकी आँखों में नीबू और मिर्च डालने के लिए सिपाही को आदेश दिया था ।

(ख) पृथ्वीराज चौहान तथा मोहम्मद गोरी की दो-दो चरित्रिक विशेषताओं का उल्लेख करिए ।

उ० पृथ्वीराज चौहान – वे शूरवीर योद्धा थे । वे अपने राज्य की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते थे । अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करते थे तथा युद्ध के मैदान में अपना सर्वस्व-न्योछावर करने से नहीं डरते थे ।

मोहम्मद गोरी – गोरी एक चालाक और धूर्त शासक था । अपने दुश्मनों के प्रति निर्दयी था । छल और धोखे से जीत हासिल करने में विश्वास रखता था । वह क्रूर शासक था ।

(ग) पृथ्वीराज के लिए कौन सी रात भयंकर थी? उस घटना का वर्णन करिए ।

उ० पृथ्वीराज चौहान के लिए मोहम्मद गोरी द्वारा उनकी आँखें फोड़ दिए जाने की रात सबसे भयानक थी क्योंकि उस रात शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ विश्वासघात की पीड़ा को वे सहन कर रहे थे । उन्हें बंदी बनाकर उनकी आँखें गर्म सलाखों से निकालकर उन्हें जेल में डाल दिया गया था ।

(घ) 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी लिखने के पीछे लेखक के उद्देश्य को सविस्तार स्पष्ट करिए ।

उ० 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी लिखने का मुख्य उद्देश्य यह दर्शाता है कि कैसे एक वीर और शक्तिशाली शासक की पीड़ा उसे अंदर से तोड़ देती है खासकर जब उसकी आँखों को नुकसान पहुँचाया जाता है । इसके अतिरिक्त लेखक का उद्देश्य पृथ्वीराज के चरित्र के माध्यम से वीरता, प्रेम, स्वाभिमान और पराजय के प्रभाव को दर्शाना है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) पृथ्वीराज विद्या में सिद्धहस्त थे –

1. तलवार चलाने में

2. शब्द बेधी बाण चलाने में

3. बंदूक चलाने में

उ० शब्द बेधी बाण चलाने में

(ख) चंद के कटार निकालकर आत्महत्या करने का कारण था –

1. बंदी बनाए जाना 2. गोरी के अत्याचार 3. पृथ्वीराज की दशा से व्यथित होकर
उ० पृथ्वीराज की दशा से व्यथित होकर

(ग) पृथ्वीराज की प्रेयसी का नाम था –

1. पद्मावती 2. संगीता 3. संयोगिता
उ० संयोगिता

(घ) चन्दबरदाई द्वारा पृथ्वीराज चौहान पर लिखे गए महाकाव्य का नाम था –

1. खम्मन रासो □ 2. पीर रासो 3. पृथ्वीराज रासो
उ० पृथ्वीराज रासो

4. किसने, किससे कहा –

(क) 'जिस क्षण ने पृथ्वीराज को पृथ्वीराज न रहने दिया, उस निर्दय क्षण की बातें मत पूछो।'

उ० पृथ्वीराज ने चंदबरदाई से

(ख) 'एक शक्तिशाली राजा के साथ इतना पशुत्व !'

उ० चंदबरदाई ने पृथ्वीराज से

(ग) 'शेर पिंजड़े में बंद रहने पर भी शेर कहलाता है।'

उ० चंदबरदाई ने पृथ्वीराज से

(घ) 'मुझे दुःख है सरदारों के कहने पर आकर मैंने तेरा पीछा नहीं किया।'

उ० पृथ्वीराज ने गोरी से

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

मुझे विश्वास है आपकी आत्मा कैदी नहीं हो सकती। आप वही पृथ्वीराज चौहान हैं। उस समय भारत में थे, इस समय यहाँ। शेर पिंजड़े में बंद रहने पर भी शेर कहलाता है।

उ० इन पंक्तियों में कवि चंद पृथ्वीराज चौहान के लिए कहते हैं कि सच्चे, वीर और स्वाभिमानी व्यक्ति की आत्मा कभी बँधी नहीं रह सकती। भले ही शरीर बंदी बना लिया जाए लेकिन वीर व्यक्ति की आत्मा, उसकी वीरता और साहस को कैद नहीं किया जा सकता। जैसे शेर पिंजरे में बंद रहने पर भी शेर कहलाता है वैसे ही पृथ्वीराज चौहान कैद में रहकर भी वीर और स्वतंत्र आत्मा वाले राजा हैं।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

1. (क) अ. विशेषण किसे कहते हैं ? कोई दो उदाहरण दीजिए।

उ० संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

1. मोहन अच्छा लड़का है।
2. सीता मधुर गीत गाती है।

ब. परिमाणवाचक व संख्या वाचक विशेषण में अंतर बताइए।

उ० परिमाणवाचक विशेषण संज्ञा व सर्वनाम की मात्रा या परिमाण का बोध कराते हैं जबकि संख्या वाचक विशेषण संज्ञा व सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. "काला" शब्द में विशेषण है –

- (1) गुणवाचक विशेषण (2) संख्यावाचक विशेषण (3) परिमाणवाचक विशेषण

उ० गुणवाचक विशेषण

ब. चार केले में विशेषण है –

- (1) गुणवाचक विशेषण (2) परिमाणवाचक विशेषण (3) संख्यावाचक विशेषण

उ० संख्यावाचक विशेषण

2. विशेषण बनाइए –

उ० उत्साह – उत्साही

शक्ति – शक्तिशाली

शंका – शंकालु

करुणा – करुण

3. सधि-विच्छेद करिए –

उ० दयार्द्र – दया + आर्द्र

संतृप्त – सम् + तृप्त

भावोन्मेष – भाव + उन्मेष

धनुर्विद्या – धनुः + विद्या

4. सविग्रह समास का भेद बताइए –

उ० रक्तवर्ण

रक्त है जो वर्ण (कर्मधारय समास)

करुणापूर्ण

करुणा से पूर्ण (तत्पुरुष समास)

नमक-मिर्च

नमक और मिर्च (द्वन्द्व समास)



आकण्ठ

कंठ तक (अव्ययीभाव समास)

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उ० मलिन – मलिनता

करुण – करुणा

अपराधी – अपराध

तीक्ष्ण – तीक्ष्णता

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) लेखक कब अपने-आपको विद्वानों से घिरा 20 वर्ष के बच्चे के समान महसूस करता था ?

उ0 लेखक जब बच्चों के साथ शहर की भीड़ भरी गलियों से दूर जंगल में घूमने जाते थे, तब दोपहर के समय तीव्र गर्मी पड़ने पर छोटे बच्चे खाना खा लेने के बाद घास पर झाड़ियों की छाँव में सो जाते थे और बड़े बच्चे लेखक को चारों ओर से घेरकर कहानी सुनाने के लिए कहते तो लेखक स्वयं को विद्वानों से घिरा 20 वर्ष के बच्चे के समान महसूस करता ।

(ख) लेखक के द्वारा किए गए जंगल के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

उ0 लेखक जब जंगल पहुँचे तब वहाँ शांत वातावरण था । हवा के झोंके से जंगल के वृक्षों की परछाइयाँ काँपने लगती थीं । नीले आकाश में सफेद बादल तैर रहे थे । प्रातः काल सूर्य की रोशनी बिखरी हुई थी । आसमान शीतल दिखाई पड़ रहा था ।

(ग) खेल दिखाते समय, रूसी बच्चे की दयनीय अवस्था का वर्णन कीजिए ।

उ0 खेल दिखाते समय रूसी बच्चों की कमीज और पैंट के छेदों में से दुबले-पतले शरीर की भूरी खाल दिखाई दे रही थी । कंधे, घुटने और कुहनियाँ बाहर निकले हुए थे । लगता था एक बार झुका तो पतली हड्डियाँ चटककर टूट जाएँगी । उसकी आँखों से पीड़ा झलक रही थी । पीठ की खाल पर बाएं कंधे से लेकर जाँघ तक एक काला ज़ख्म का निशान फैला हुआ था, जिस पर मोटी सख्त पपड़ी जम चुकी थी । उससे गहरा लाल खून निकल रहा था ।

(घ) लेखक के किस व्यवहार से नन्हा यहूदी बालक खुश हो गया ?

उ0 जब लेखक ने नन्हे यहूदी बालक की दर्दभरी कहानी सुनी और सहानुभूति प्रकट की तथा उसे दो सिक्के दिए तो नन्हा यहूदी बालक खुश हो गया ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) लेखक के अच्छे दिन थे –

1. विद्वानों के बीच बैठना

2. पुस्तकें पढ़ते रहना

3. बच्चों के साथ घिरे रहना

उ0 बच्चों के साथ घिरे रहना

(ख) कलाबाजी दिखाने के बाद लेखक ने नन्हे यहूदी को दिया –

1. सात कोपेक

2. दो सिक्के

3. एक रुपया

उ0 दो सिक्के



(ग) “सभी बच्चे एक साथ खुशी से चिल्ला उठे।”

1. हम सब मिलकर खेलेंगे 2. नन्हे यहूदी को पकड़ो 3. भागो, भागो

उ० नन्हे यहूदी को पकड़ो

(घ) नन्हा यहूदी मेले में गिर पड़ा ।

1. कार की टक्कर से 2. ट्रपीज करते हुए 3. धक्का-मुक्की से

उ० ट्रपीज करते हुए

4. किसने किससे कहा –

(क) मैं तुम लोगों को एक खेल दिखाऊँ ।

उ० नन्हे यहूदी ने बच्चों से

(ख) पैसे के लिए ही करना था तो हम भी ऐसा कर सकते थे।

उ० लड़के ने नन्हे यहूदी से

(ग) हम यहूदी हैं न ! हर आदमी हम पर हँसता है।

उ० नन्हे यहूदी ने लेखक से

(घ) रुको, वह क्या है?

उ० लेखक ने नन्हे यहूदी से

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

हमारे ऊपर अनंत आकाश फैला है । सामने है जंगल की विविधता – एक ज़बरदस्त खामोशी में लिपटी हुई हवा का कोई झोंका खड़खड़ाता हुआ पास से निकल जाता है, कोई फुसफुसाहट तेजी से गुजर जाती है, जंगल की सुवासित परछाइयाँ काँपती हैं और एक बार फिर एक अनुपम खामोशी आत्मा में भर जाती है ।

उ० प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक मैक्सिम गोर्की ने, जब वे बच्चों के साथ घूमते हुए जंगल की ओर जाते थे तो वहाँ के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए बताते हैं कि अनंत आकाश के नीचे जंगल की विविधता व्याप्त है । शांत वातावरण में हवा का झोंका आ रहा था । हवा के झोंके से वृक्षों की परछाइयाँ भी वृक्षों के साथ-साथ हिल रही थी । मन प्रसन्न था ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. वाच्य किसे कहते हैं ?

उ० क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वाक्य में कर्ता, कर्म व भाव में से किसकी प्रधानता है, उसे वाच्य कहते हैं ।



ब. कर्मवाच्य और भाववाच्य में अंतर बताइए।

उ० जब वाक्य में क्रिया का संबंध कर्म से हो तथा क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्म के अनुसार हो तो कर्मवाच्य होता है जबकि भाववाच्य में क्रिया का मुख्य विषय भाव होता है।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. रोगी को दवा दी गई। –

(1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य

उ० कर्मवाच्य

ब. मुझसे गाया नहीं जाता। –

(1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य

उ० भाववाच्य

2. उपसर्ग, मूलशब्द व प्रत्यय अलग करिए –

उ०	उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
निर्जीव	निः	जीव	
उत्साहित	उत्	साह	इत
सुवासित	सु	वास	इत
प्रकृति	प्र	कृत	इ

3. अनेकार्थी शब्द लिखिए –

उ० कर	– टैक्स, हाथ
अंबर	– आकाश, वस्त्र
मित्र	– सूर्य, दोस्त
घन	– बादल, हथौड़ा

4. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए –

उ० (क) किसी विषय में कुछ न जानने वाला	– अनभिज्ञ
(ख) जो आँखों के सामने हो	– प्रत्यक्ष
(ग) अचानक हो जाने वाला	– आकस्मिक
(घ) उपकार को मानने वाला	– कृतज्ञ

5. प्रविशेषण छांटिए –

उ० (क) आम बहुत मीठा है ।

– बहुत

(ख) यह काम काफी मुश्किल है ।

– काफी

(ग) वह अत्यधिक सुंदर है ।

– अत्यधिक

(घ) बनिया महा कंजूस है ।

– महा

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि किस आंदोलन के बाद मिली ? इस आंदोलन के विषय में समझाइए ।

उ0 वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि वारदोली आंदोलन के बाद मिली ।

1928 में वारदोली के किसानों पर अंग्रेजों द्वारा लगाए गए करों में वृद्धि के खिलाफ यह आन्दोलन हुआ था इसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया । इस आन्दोलन में न केवल वारदोली के किसानों को राहत दिलाई अपितु स्वतंत्रता हेतु लोगों को जागरूक भी किया ।

(ख) देश के लोगों को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए सरदार पटेल ने क्या कहा था ?

उ0 देश के लोगों को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए सरदार पटेल ने कहा था, "हमें ऊँच-नीच, अमीर-गरीब और जाति प्रथा के भेद-भावों को समाप्त कर देना चाहिए।" पटेल द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का नारा भी दिया गया जो देश की एकता और अखंडता का आधार बना ।

(ग) स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती कौन सी थी, इसका समाधान सरदार पटेल ने कैसे किया ?

उ0 स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती 562 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने की थी । सरदार पटेल ने अपने सूझ-बूझ, कूटनीति, समझौता और दबाव के माध्यम से इन रियासतों को भारत सरकार के अधीन लाने में सफलता प्राप्त की ।

(घ) स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उ0 सरदार पटेल के महत्त्व, लोकप्रियता, देश के लिए उनके योगदान को देखते हुए उनकी प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' गुजराज में स्थापित की गई है । यह दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है । यह आधार सहित 790 फीट ऊँची है । यह प्रतिमा गुजरात के एकता नगर में स्थित है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) सरदार पटेल का जन्म हुआ था –

1. काठियावाड में

2. नाडियाड में

3. गोधरा में

उ0 नाडियाड में



(ख) वल्लभभाई पटेल ने हाईस्कूल की परीक्षा पास की —

1. 1885 में

2. 1897 में

3. 1890 में

उ0 1897 में

(ग) हैदराबाद की रियासत को भारत में मिलाया गया —

1. 1947 में

2. 1948 में

3. 1950 में

उ0 1948 में

(घ) आधार सहित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ऊँचाई है —

1. 790 फीट

2. 785 फीट

3. 775 फीट

उ0 790 फीट

4. सही ☒ या गलत ☐ का चिह्न लगाइए —

(क) सरदार पटेल के पिता का नाम झाबेर भाई पटेल था ।

उ0 सही

(ख) सरदार पटेल ने असहयोग आंदोलन चलाया ।

उ0 गलत

(ग) प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को एकता दिवस मनाया जाता है ।

उ0 सही

(घ) एकता नगर को पहले यूनिटी टाउन कहा जाता था ।

उ0 गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए —

(क) हमारे देश में अनेक धर्म, अनेक भाषाएँ हैं लेकिन हमारी संस्कृति एक ही है ।

उ0 भारत एक विशाल देश है । इसकी विशालता तथा अन्य कारणों से यहाँ अनेक धर्मों के लोग रहते हैं । यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं यहाँ पर्याप्त विविधताएँ विद्यमान हैं । किन्तु इन विविधताओं के बावजूद देश के लोगों का सोच-विचार एक जैसा है तथा यहाँ की संस्कृति एक ही है इसी कारण यहाँ अनेकता में एकता की भावना विद्यमान है ।

(ख) पटेल भारत के ऐसे रत्न थे जिन्होंने देश की एकता अखंडता की नींव रखी ।



उ० स्वतंत्रता के बाद भारत में 562 से अधिक रियासतें विद्यमान थीं । सरदार पटेल ने अपनी सूझ-बूझ के बल पर सभी रियासतों को भारत में मिलाया । सम्पूर्ण भारत में शासन व्यवस्था की एकरूपता के लिए अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की स्थापना की । उन्होंने देश के पहले गृह मंत्री के रूप में देश की एकता अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए जो सराहनीय कार्य किया इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि पटेल देश के ऐसे रत्न थे जिन्होंने देश की एकता अखंडता की नींव रखी ।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. क्रिया की परिभाषा लिखिए ।

उ० जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है, उन्हें क्रिया कहते हैं ।

ब. क्रिया के किस भेद में कर्म का होना आवश्यक है ?

उ० सकर्मक क्रिया में कर्म का होना आवश्यक है ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. मुख्य रूप से क्रिया के भेद होते हैं —

(1) दो

(2) चार

(3) पाँच

उ० दो

ब. जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़े उसे कहते हैं —

(1) सकर्मक

(2) अकर्मक

(3) द्विकर्मक

उ० अकर्मक

2. विलोम शब्द लिखिए —

उ० एकता — अनेकता

मजबूत — कमजोर

आधुनिक — प्राचीन

ऊँची — नीची

3. उपसर्ग व मूलशब्द अलग करिए —

उ०	उपसर्ग	मूलशब्द	उपसर्ग	मूलशब्द	
निर्वहन	निर्	वहन	आजीवन	आ	जीवन
संकल्प	सम्	कल्प	निर्माण	निर्	मान

4. मूलशब्द व प्रत्यय अलग करिए —



उ०	मूलशब्द	प्रत्यय		मूलशब्द	प्रत्यय
विविधता	विविध	ता	नेतृत्व	नेतृ	त्व
प्रशासनिक	प्रशासन	इक	अनेकता	अनेक	ता

5. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० स्वतंत्रता	– आजादी, स्वाधीनता, मुक्ति
माता	– जननी, माँ, अंबा
विवाह	– परिणय, शादी, ब्याह
अमीर	– धनी, धनवान, संपन्न

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न —

(क) कोसी नदी में बाढ़ आने से पहले लोग क्या-क्या तैयारियाँ करते हैं ?

उ० कोसी नदी में बाढ़ आने से पहले लोग निम्नलिखित तैयारियाँ करते हैं —

1. मचान बनाये जाते हैं ।
2. घरों की मरम्मत की जाती है पुरानी टाटियों की मरम्मत की जाती है ।
3. घर-घर खूटे गड़ते हैं ।
4. बाढ़ से बचाव हेतु अन्य प्रयास भी किए जाते हैं ।

(ख) कोसी मैया के कोप को शांत करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए जाते हैं ?

उ० कोसी मैया के कोप को शांत करने के लिए इलाके के सिद्ध ओझा, प्रसिद्ध गुणी चक्र सजाकर दिन रात जप करते हैं । धूप-दीप अड़हुल के फूल चढ़ाए जाते हैं । चक्र सजाकर पूजा की जाती है । भक्त मंडली झाँझ-मृदंग बजाकर भक्ति गीत गाती है ।

(ग) पुराने पीपल की क्या क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?

उ० पुराने पीपल की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई गई हैं —

1. पुराना पीपल बहुत ही पुराना है इसे पानी मापने का कुदरती मीटर कहा गया है ।
2. पुराना पीपल पहले भुतहा समझा जाता था, अब यह देवहा समझा जाता है ।
3. कोसी मैया भी पुराने पीपल को नष्ट नहीं कर सकती ।
4. पुराने पीपल के पत्तों पर मंत्र लिखकर जंत्र बनाए जाते हैं ।

(घ) कोसी नदी के बाढ़ के दुष्परिणामों का उल्लेख कीजिए ।

उ० कोसी नदी में आने वाली बाढ़ों से जन-धन की भयंकर हानि होती है । गाँव के गाँव उजड़ जाते हैं । फसलें नष्ट हो जाती हैं । पशुओं के लिए चारे की कमी पड़ जाती है । लोगों के लिए भोजन आदि की कमी पड़ जाती है । चारों तरफ तबाही मच जाती है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न —

(क) प्राइमरी स्कूल के पंडित जी परिचय देते हैं —

- | | | |
|-----------------|------------------|---------------|
| 1. विद्वत्ता का | 2. पत्रकारिता का | 3. सूझ-बूझ का |
|-----------------|------------------|---------------|

उ० पत्रकारिता का

(ख) इटलाती हुई लहरें खेलने लग जाती हैं –

1. खेतों और खलिहानों में 2. बाग-बगीचों में 3. घरों और दरवाजों पर
उ० खेतों और खलिहानों में

(ग) आम का बाग नज़र आता है –

1. धब्बा सा 2. चिड़िया का नहला सा 3. पेड़ों के झुंड सा
उ० चिड़िया का नहला सा

(घ) गेरुए पानी की परीक्षा करने वाला बालक किसी पेड़ की डाली पर बैठा कर रहा होगा –

1. इंतजार कर रहा होगा 2. पत्तियाँ चबा रहा होगा 3. रो रहा होगा
उ० पत्तियाँ चबा रहा होगा

4. सही ☒ या गलत ☐ का चिह्न लगाइए –

(क) सैकड़ों – नियानबे कोखें कोसी की मनौती के बाद ही भरती हैं ।

उ० सही

(ख) राजगिद्ध आम की फुनगी पर बैठा था ।

उ० गलत

(ग) पीपल का पेड़ अब देवहा समझा जाता है ।

उ० सही

(घ) बाँध पर लोगों का भरोसा नहीं था ।

उ० गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) कोसी मैया के मन का मैल बढ़ता ही जाता ।

उ० कोसी के प्रकोप को शांत करने के लिए अनेक उपाय किए जाते किन्तु कोसी के बाढ़ का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा था । कोसी के बाढ़ की विकरालता और भी बढ़ती ही जा रही थी ।

(ख) जिंदे नरककालों की टोली फिर से अपनी दुनिया बसाने आगे बढ़ती है ।

उ० कोसी नदी के बाढ़ की विभीषिका के कारण जन-धन की अपार क्षति होती है । बाढ़ के समाप्त होने के बाद बचे हुए लोग नरककाल की भाँति दिखाई पड़ते हैं और वे फिर से अपनी घर गृहस्ती वसाने के प्रयत्न में लग जाते हैं ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

1. (क) अ. क्रिया विशेषण किसे कहते हैं ?

उ० क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द को क्रिया विशेषण कहते हैं।

ब. क्रिया विशेषण के कितने भेद होते हैं ?

उ० क्रिया विशेषण के मुख्य चार भेद हैं –

- | | |
|---------------------------|------------------------------|
| 1. कालवाचक क्रिया विशेषण | 2. स्थान वाचक क्रिया विशेषण |
| 3. रीतिवाचक क्रिया विशेषण | 4. परिमाण वाचक क्रिया विशेषण |

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. राम धीरे-धीरे चलता है। रेखांकित पद में क्रिया विशेषण है।

- | | | |
|------------|----------------|-------------|
| 1. कालवाचक | 2. परिमाण वाचक | 3. रीतिवाचक |
|------------|----------------|-------------|

उ० रीतिवाचक

ब. क्रिया के होने के स्थान का बोध होता है –

- | | |
|------------------------------|--------------------------------|
| 1. परिमाणवाचक में | 2. स्थानवाचक क्रिया विशेषण में |
| 3. कालवाचक क्रिया विशेषण में | |

उ० स्थानवाचक क्रिया विशेषण में

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० पानी	– जल, नीर, तोय
मैया	– जननी, माता, अंबा
जानवर	– पशु, जंतु, वन्यप्राणी
पक्षी	– विहग, खग, नभचर

3. तत्सम शब्द लिखिए –

उ० गाँव – ग्राम	फूल – पुष्प
बूढ़ा – वृद्ध	रोना – रुदन

4. दो-दो भिन्न अर्थ लिखिए –

उ० आम – एक फल, साधारण	अंचल – साड़ी का पल्ला, बड़े प्रांत का भाग
पत्र – चिट्ठी, पत्ता	दृष्टि – देखने की शक्ति, नजरिया

5. विलोम शब्द लिखिए –

उ० दिन – रात

असली – नकली

कोप – क्षमा या कृपा

ऊँची – नीची

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) कोणार्क सूर्य मंदिर के निर्माण के संदर्भ में पौराणिक मान्यता क्या है ?

उ0 कोणार्क सूर्य मंदिर के निर्माण के संदर्भ में पौराणिक मान्यता यह है कि नारद मुनि के श्राप के कारण साम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था जिसके निवारण के लिए उन्होंने 12 वर्षों तक सूर्य देव की तपस्या की और रोग मुक्त हुए । साम्ब ने इस घटना के बाद सूर्य मंदिर बनवाने का निर्णय लिया ।

(ख) कोणार्क सूर्य मंदिर के 'प्रतीकों' को स्पष्ट कीजिए ।

उ0 इस मंदिर में 24 पहिए दिन के 24 घंटों को दर्शाते हैं रथ के सात घोड़े सप्ताह के सात दिनों के प्रतीक हैं कोणार्क चक्र प्रगति और निरंतर परिवर्तन का प्रतीक है । यह चक्र इस बात को भी दर्शाता है कि समय सदा एक सा नहीं रहता है ।

(ग) कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण किसने कराया इसके निर्माण के कारणों को भी स्पष्ट कीजिए ।

उ0 कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण गंग वंश के राजा नरसिंह देव प्रथम ने 13वीं शताब्दी में कराया था । इस मंदिर के निर्माण का मुख्य कारण सूर्य देव की पूजा को बढ़ावा देना था । यह मंदिर सूर्य देव को समर्पित है । यह मंदिर वास्तुकला और कला का उत्कृष्ट उदाहरण है ।

(घ) सूर्य मंदिर की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

उ0 सूर्य मंदिर की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

1. यह मंदिर वास्तुकला तथा कला का उत्कृष्ट उदाहरण है ।
2. रहस्यमयी पहलुओं के कारण यह हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहा है ।
3. यह मंदिर 229 फीट ऊँचा है ।
4. इस मंदिर में प्रतीकों के माध्यम से समय की गति एवं आध्यात्मिकता को स्पष्ट किया गया है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) कोणार्क सूर्य मंदिर बनाया गया है –

1. चौकोर आकार में
 2. रथ के आकार में
 3. चन्द्राकार में
- उ0 रथ के आकार में

(ख) मंदिर का मुख्य वास्तुकार माना जाता है –

1. विश्वकर्मा को 2. विशु महाराणा को 3. नरसिंह देव को

उ० विशु महाराणा को

(ग) कोणार्क सूर्य मंदिर की ऊँचाई है –

1. 229 फीट 2. 113 मीटर 3. 335 फीट

उ० 229 फीट

(घ) दस रुपये के नोट के पीछे चित्र है –

1. राममंदिर 2. जगन्नाथ मंदिर 3. कोणार्क सूर्य मंदिर

उ० कोणार्क सूर्य मंदिर

4. सही ☒ या गलत ☒ का चिह्न लगाइए –

(क) यह मंदिर कलिंग वास्तुकला के पारंपरिक रूप का अनुसरण करता है ।

उ० सही

(ख) यह मंदिर महानदी के तट पर है ।

उ० गलत

(ग) यह मंदिर सूर्य देव को समर्पित है ।

उ० सही

(घ) मंदिर का मुख उत्तर की ओर है ।

उ० गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) यह मंदिर समकालीन जीवन और गतिविधियों के परिष्कृत और प्रतीकात्मक चित्रण के साथ अलंकृत है ।

उ० कोणार्क सूर्य मंदिर में उस समय के जीवन और गतिविधियों का बहुत ही सुन्दर ढंग से चित्रण किया गया है । उस समय के जीवन की गतिविधियों का चित्रण मंदिर की दीवारों पर किया गया है । कला की उत्कृष्टता की दृष्टि से इस मंदिर की अपनी एक अलग पहचान है ।

(ख) इस मंदिर का इतिहास हमें सोचने पर मजबूर कर देता है कि शायद हमारे पूर्वज समय से आगे थे ।

उ० मंदिर के निर्माण की वास्तुकला, कला, प्रतीकात्मकता, वैज्ञानिकता एवं आध्यात्मिक सोच तथा जीवन दर्शन को देखकर यह कहा जा सकता है कि शायद हमारे पूर्वज समय से आगे थे।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. अव्यय किसे कहते हैं ?

उ० अव्यय उन शब्दों को कहा जाता है जिनमें लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई बदलाव या परिवर्तन नहीं होता है।

ब. संबंधबोधक अव्यय एवं समुच्चयबोधक अव्यय में क्या अंतर है ?

उ० संबंध बोधक अव्यय संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताते हैं किन्तु समुच्चय बोधक अव्यय दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. राम धीरे-धीरे टहलता है। रेखांकित पद में अव्यय है —

1. क्रिया विशेषण
2. संबंधबोधक
3. समुच्चयबोधक

उ० क्रिया विशेषण

ब. जिन अव्यय शब्दों से हर्ष, शोक, विस्मय, लज्जा आदि भावों को व्यक्त करते हैं, उन्हें कहते हैं —

1. क्रिया विश्लेषण
2. विस्मयादिबोधक
3. संबंध बोधक अव्यय

उ० विस्मयादिबोधक

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए —

उ० राजा — नृप, नरेश, महीप
दिन — दिवा, अहन, वासर
सूर्य — भास्कर, आदित्य, भानु
हाथी — गज, कुंजर, हस्ती

3. प्रत्येक के दो-दो भिन्न अर्थ लिखिए —

उ० उत्तर — दिशा विशेष, प्रश्न का उत्तर
काल — समय, मृत्यु

गति — चाल, दशा
पूर्व — दिशा विशेष, पहले

4. मूलशब्द व प्रत्यय अलग करिए –

उ०	मूलशब्द	प्रत्यय		मूलशब्द	प्रत्यय
घोषित	घोष	इत	पारम्परिक	परम्परा	इक
समकालीन	समकाल	ईन	नक्काशीदार	नक्काशी	दार

5. विलोम शब्द लिखिए –

उ० मुक्त – बद्ध

निर्माण – ध्वंश

उत्कृष्ट – निकृष्ट

उदय – अस्त

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) लेखक के मित्रों ने क्या सलाह दिया, और क्यों ?

उ० लेखक के मित्रों ने लेखक को हाकिम जिला से न मिलने की सलाह दी । क्योंकि उनका यह मानना था कि हाकिम जिला के बुलावे पर उनके पास जाना, लेखक के लिए अपमान तुल्य होगा ।

(ख) लेखक के बचपन के मित्र क्या समस्या लेकर आए थे ।

उ० लेखक के बचपन के मित्र बलदेव यह समस्या लेकर आए थे कि उनके पुत्र की दारोगा से एक बार कहा-सुनी हो गई थी तब से घात लगाए दारोगा ने उनके पुत्र को गाँव में पड़े डाका के केस में फाँस लिया । इस कारण उनका पुत्र एक सप्ताह से हिरासत में था । मुकदमा झूठा था वे यह चाहते थे कि हाकिम जिला मामले की खुद तहकीकात कर लें ।

(ग) कहानी में सच्चाई और ईमानदारी के महत्त्व को कैसे दर्शाया गया है ?

उ० प्रेमचंद की कहानी 'मुफ़्त का यश' में दिखाया गया है कि बिना मेहनत और सच्चाई के मिला यश और सम्मान खोखला होता है । यह कहानी दर्शाती है कि व्यक्ति को बिना किसी दिखावे के सच्चाई और ईमानदारी से काम करना चाहिए ।

दिखावटी यश कभी स्थाई नहीं होता है किन्तु सच्चाई और ईमानदारी से प्राप्त यश सदैव बना रहता है ।

(घ) इस कहानी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

उ० प्रेमचंद की 'मुफ़्त का यश' कहानी से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें किसी की मदद करने के बाद दिखावा या झूठी बड़ाई नहीं करनी चाहिए, अपितु सादगी और विनम्रता से काम लेना चाहिए ।

यह कहानी इस बात पर भी जोर देती है कि निःस्वार्थ भाव से की गई सहायता का भी लोग अपनी मर्जी से मतलब निकालते हैं जो एक सामाजिक सच्चाई है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) लेखक सार्वजनिक उत्सवों में नेवता देने का विरोधी है –

1. मित्रों को

2. हुक्काम को

3. पड़ोसियों को

उ० हुक्काम को



(ख) जाने कैसे टोह लगा लिया –

1. टोहियों ने

2. मित्रों ने

3. परिचितों ने

उ० टोहियों ने

(ग) बलदेव का लड़का हिरासत में था –

1. एक माह से

2. एक सप्ताह से

3. दस दिनों से

उ० एक सप्ताह से

(घ) लेखक ने गला छुड़ाने के लिए झूठा वादा कर दिया –

1. मित्रों से

2. हाकिम से

3. बलदेव से

उ० बलदेव से

4. सही ☒ या गलत ☒ का चिह्न लगाइए –

(क) दामाद साहब अफसर थे, जामे से बाहर हो गए ।

उ० सही

(ख) हाकिम-जिला लेखक के घर आए ।

उ० गलत

(ग) “मौलवी साहब की छड़ी जहाँ असफल रही, वहाँ मेरा प्रेम सफल हो गया।”

उ० सही

(घ) लेखक ने बलदेव के लड़के की सिफारिश की थी ।

उ० गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) स्वार्थ में आदमी बावला हो जाता है ।

उ० स्वार्थ में आदमी उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय के विषय में न सोचकर केवल अपने स्वार्थ के विषय में ही सोचता है । उसका एक मात्र लक्ष्य स्वार्थ पूर्ति ही रह जाता है ।

(ख) देवता होना गर्व की बात है, लेकिन मनुष्य होना भी अपराध नहीं है ।

उ० देवता महान गुणों से युक्त और शक्ति सम्पन्न होते हैं अतः देवता होना गर्व की बात है किन्तु मनुष्य अपने कर्म के बल पर अनेकानेक उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकता है अच्छे गुणों को ग्रहण कर सकता है अतः मानव होना अपराध नहीं है ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

1. (क) अ. संधि किसे कहते हैं ?

उ० दो वर्णों के आपस में मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, तो उसे संधि कहते हैं।

ब. व्यंजन संधि किसे कहते हैं ?

उ० व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. 'मनः + ज = मनोज' में संधि है –

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

उ० विसर्ग संधि

ब. दो स्वरों के मेल से होने वाले विकार को कहते हैं –

1. व्यंजन संधि 2. विसर्ग संधि 3. स्वर संधि

उ० स्वर संधि

2. तत्सम रूप लिखिए –

उ० ससुर – श्वसुर

घोड़ा – घोटक

घर – गृह

दूध – दुग्ध

3. उपसर्ग व मूलशब्द अलग करिए –

उ०	उपसर्ग	मूलशब्द	उपसर्ग	मूलशब्द	
बदौलत	ब	दौलत	दुविधा	दु	विधा
बेचारा	बे	चारा	अभिमान	अभि	मान

4. संधि विच्छेद कीजिए –

उ० विधवाश्रम – विधवा + आश्रम

दुरवस्था – दुर् + अवस्था

मिथ्याभिमानी – मिथ्या + अभिमानी

निराहार – निर् + आहार

5. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

उ० (क) शान के खिलाफ होना (प्रतिष्ठा के विरुद्ध होना) –

अच्छे लोग ऐसे काम नहीं करते हैं जो उनके शान के खिलाफ हो ।

(ख) कंधा डाल देना (हिम्मत हार जाना) –

कायर लोग साहस पूर्ण कार्यों में कंधा डाल देते हैं ।



(ग) दाँत-काटी रोटी होना (घनिष्ठ मित्रता होना) –

सच्चे मित्रों में दाँत काटी रोटी होती है इसीलिए वे एक-दूसरे का हित करते हैं ।

(घ) घात लगाए रहना (अवसर की तलाश में रहना) –

स्वार्थी अपने स्वार्थ पूर्ति हेतु घात लगाए रहते हैं ।

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) वसंत रूपी बालिका के हृदय की थाली में क्या-क्या सजा है ?

उ० पंत की वसंत श्री कविता में वसंत रूपी बालिका की हृदय की थाली में प्रकृति के वसंतकालीन दृश्य सजे हैं, जो वसंत ऋतु की सुन्दरता और नवजीवन के प्रतीक हैं । क्रीड़ा, कौतूहल, कोमलता, मोद, मधुरिमा लीला, विस्मय, स्नेह, पुलक, उल्लास के भाव बालिका के हृदय की थाली में सजे हैं ।

(ख) किन मानवीय भावों के साथ पूजन किया जा रहा है ?

उ० सुमित्रानंदन पंत की “वसंत श्री” कविता में प्रकृति और जीवन के प्रति गहरी श्रद्धा, आनंद और सौंदर्यबोध के मानवीय भावों के साथ पूजा की जा रही है । यह कविता प्रकृति के नव निर्माण और नव जागृति का प्रतीक है । मृदु कोमलता, बाल चपलता सहजता सरलता के भावों को अपना कर पूजन किया जा रहा है ।

(ग) मधुऋतु की तरु डाली में क्या-क्या विद्यमान है ?

उ० वसंत ऋतु की तरु डाली में रूप, रंग, सुरभि, मधुर-मधु आदि चीजें विद्यमान हैं । वसंत ऋतु की तरु डाली तरह-तरह के सुन्दर पुष्पों, पत्तों से युक्त अत्यन्त मनोहर दिखाई देती है । पुष्पों की सुगंध वातावरण को सुवासित कर रही है ।

(घ) वसंत श्री की किन विशेषताओं को कवि ने दर्शाया है ?

उ० वसंत श्री कविता में कवि ने वसंत की सुन्दरता, ताजगी और जीवंतता को दर्शाया है । वसंत ऋतु में सम्पूर्ण प्रकृति उल्लास, ताजगी, कोमलता एवं सौन्दर्य से परिपूर्ण होती है । चारों तरफ हरियाली विद्यमान होती है ऐसा लगता है मानो वसंत रूपी बालिका बाल चपलता, उल्लास, स्नेह से युक्त होकर लोगों को रिझा रही हो ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) वसंत ऋतु का चित्रण किया गया है –

1. बालक के रूप में

2. बालिका के रूप में

3. राजा के रूप में

उ० बालिका के रूप में

(ख) वय बाली शब्द का प्रयोग किया गया है –

1. एक आभूषण के लिए

2. वसंत ऋतु रूपी बालिका के लिए

3. लड़की के लिए

उ० एक आभूषण के लिए



(ग) पूजन का कार्य किया जा रहा है –

1. भक्त द्वारा 2. वसंत रूपी बालिका द्वारा 3. कवि द्वारा

उ० वसंत रूपी बालिका द्वारा

(घ) मुकुलित अंगों में भरे हैं –

1. रूप, रंग, सुरभि 2. कोमलता 3. उत्साह

उ० रूप, रंग, सुरभि

4. सही ☒ या गलत ☐ का चिह्न लगाइए –

(क) 'वसंत श्री' कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है ।

उ० सही

(ख) वसंत को बालक के रूप में दिखाया गया है ।

उ० गलत

(ग) वसंत के आगमन से प्रकृति में नव जीवन का संचार होता है ।

उ० सही

(घ) वसंत ऋतु को ऋतुओं की रानी कहा जाता है ।

उ० गलत

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) किसका पूजन करती पल-पल

बाल चपलता से अपनी,

उ० यह पंक्ति दर्शाती है कि प्रकृति में हर क्षण कुछ नया और सुन्दर हो रहा है । कवि प्रकृति की प्रत्येक क्रिया को पूजा के रूप में देखते हैं । वसंत ऋतु में पल-पल कुछ नया और सुन्दर घटित होता है ।

(ख) रूप, रंग, रज, सुरभि, मधुर मधु,

भर कर मुकुलित अंगों में,

उ० वसंत ऋतु में प्रकृति अपने पूरे सौंदर्य और उल्लास में होती है जहाँ फूलों का रंग, सुगंध और मिठास चारों ओर फैली होती है और प्रकृति के सभी अंग खिले हुए और विकसित दिखाई देते हैं ।

कल्पना के पंख – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. अलंकार किसे कहते हैं ?

उ० साहित्य (काव्य) की शोभा बढ़ाने वाले तत्त्वों को अलंकार कहते हैं ।

ब. शब्दालंकार के मुख्य भेद लिखिए ।

उ० अनुप्रास, यमक, श्लेष, पुनरुक्ति प्रकाश

(ख) वैकल्पिक प्रश्न –

अ. शब्दालंकार का भेद है –

1. उपमा 2. मानवीकरण 3. यमक

उ० यमक

ब. अलंकार के मुख्य भेद होते हैं –

1. दो 2. चार 3. पाँच

उ० दो

2. विशेषण बनाइए –

उ० हरियाली – हरा

कोमलता – कोमल

मधुरिमा – मधुर

चपलता – चपल

3. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

उ० माँ – जननी, माता, अंबा

मधुऋतु – वसंत ऋतु, ऋतुराज, मधुमास

तरु – वृक्ष, पेड़, विटप

पूजन – अर्चन, आराधना, वंदन

4. मूलशब्द व प्रत्यय अलग कीजिए –

उ०	मूलशब्द	प्रत्यय	मूलशब्द	प्रत्यय
कोमलता	कोमल	ता	मधुरिमा	मधुर
सरलता	सरल	ता	मुकुलित	मुकुल

5. विलोम शब्द लिखिए –

उ० अपनी – पराई

सुख – दुःख

कोमलता – कठोरता

हास – रुदन

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) जल संरक्षण के लिए सरकारी स्तर पर कौन सी योजनाएँ चल रही हैं, इनका क्या उद्देश्य है ?

उ० जल संरक्षण के लिए निम्न सरकारी योजनाएँ चल रही हैं –

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अटल भू-जल योजना, नमामि गंगे, जल पहली मुहीम, जल जीवन मिशन आदि ।

इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य भू-जल संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना तथा जल उपयोग दक्षता में वृद्धि करना और जल के निकायों का जीर्णोद्धार करना है ।

(ख) जल संरक्षण का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके उद्देश्य बताइए ।

उ० जल संरक्षण का अर्थ है पानी का कुशलता पूर्वक एवं उसे संरक्षित करते हुए ऐसा उपयोग करना जिससे पानी की बर्बादी को कम किया जा सके और भावी पीढ़ियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके ।

जल संरक्षण का उद्देश्य प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना और मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दीर्घकालिक रूप से इन महत्वपूर्ण संसाधन की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है ।

(ग) जल संरक्षण के अभाव में कौन सी समस्याएँ उत्पन्न हो जाएँगी ?

उ० जल संरक्षण के अभाव में निम्न समस्याएँ उत्पन्न हो जाएँगी ।

1. जल संकट की समस्या
2. फसलों के उत्पादन में गिरावट
3. खाद्य असुरक्षा
4. पारिस्थितिक तंत्र का क्षरण
5. जीव जन्तुओं के अस्तित्व के लिए संकट आदि ।

(घ) एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जल संरक्षण हेतु हमारे क्या कर्तव्य हैं ?

उ० एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जल संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए । वर्षा जल का संचयन करना चाहिए । पानी बचाने वाले उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए । लोगों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित करना चाहिए ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) शुद्ध जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण समस्या उत्पन्न होती जा रही है –

1. जल प्रदूषण 2. जल संकट की 3. जल के रिसाव की

उ0 जल संकट की

(ख) दुनिया भर में पानी की कमी से जूझने वाले लोगों का प्रतिशत –

1. 50 प्रतिशत 2. 75 प्रतिशत 3. 60 प्रतिशत

उ0 75 प्रतिशत

(ग) जलीय प्रजातियाँ जल प्रदूषण के कारण लुप्त होने के कगार पर हैं –

1. 1200 2. 1600 3. 1000

उ0 1600

(घ) जल के अभाव में कल्पना नहीं की जा सकती –

1. धरती पर जीवन की 2. धरती की □ 3. पहाड़ों की

उ0 धरती पर जीवन की

4. सही ☒ या गलत ☒ का चिह्न लगाइए –

(क) जल प्रकृति का अमूल्य प्रसाद है ।

उ0 सही

(ख) जल के अभाव में जैव विविधता में वृद्धि होगी ।

उ0 गलत

(ग) जल प्रदूषण को रोकना अति आवश्यक है ।

उ0 सही

(घ) जल के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए ।

उ0 सही

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) जल है तो कल है।

उ0 पानी के बिना भविष्य संभव नहीं। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि जल जीवन का आधार है और भविष्य में जीवन के लिए जल का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

(ख) जल, जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उ0 जल जीवन, पर्यावरण और सतत विकास की नींव है । स्वच्छ जल मानव स्वास्थ्य कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है । सतत विकास का अर्थ है कि हम आज की ज़रूरतों



को पूरा करते हुए भावी पीढ़ियों की ज़रूरतों से समझौता न करें, इसके लिए जल का विवेकपूर्ण और न्यायपूर्ण उपयोग ज़रूरी है ।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. शब्दालंकार किसे कहते हैं ?

उ० जब काव्य में शब्दों के विशेष प्रयोग द्वारा सौंदर्य उत्पन्न किया जाता है, तो उसे शब्दालंकार कहते हैं ।

ब. शब्दालंकार के कितने भेद होते हैं ?

उ० शब्दालंकार के तीन भेद हैं —

अनुप्रास, यमक, श्लेष ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. 'लाली मेरे लाल की जित देखूँ तित लाल।' पंक्ति में अलंकार है —

1. अनुप्रास 2. यमक 3. श्लेष

उ० अनुप्रास

ब. जब किसी शब्द का प्रयोग एक ही बार हो किंतु उसके अनेक अर्थ निकले तो वहाँ पर होता है —

1. अनुप्रास अलंकार 2. यमक अलंकार 3. श्लेष अलंकार

उ० श्लेष अलंकार

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए —

उ० जल — नीर, तोय, पानी
जगत — भव, संसार, दुनिया
भू — धरा, वसुधा, पृथ्वी
नदी — सरिता, तटिनी, सलिला

3. उपसर्ग व मूलशब्द अलग करिए —

उ०	उपसर्ग	मूलशब्द	उपसर्ग	मूलशब्द	
विकल्प	वि	कल्प	संसाधन	सम्	साधन
प्रतिवर्ष	प्रति	वर्ष	पर्यावरण	परि	आवरण

4. विशेषण बनाइए –

उ० दक्षता – दक्ष

बर्बादी – बर्बाद

संरक्षण – संरक्षित

जागरूकता – जागरूक

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उ० कुशल – कुशलता

निर्मम – निर्ममता

मीठा – मिठास

नागरिक – नागरिकता

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

उत्तर पुस्तिका

1. मौखिक प्रश्न – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

2. लिखित प्रश्न –

(क) बट बाबा कहानी में ग्रामीण जीवन को कैसे चित्रित किया गया है ?

उ० फणीश्वरनाथ रेणु ने अपनी कहानी बट बाबा में ग्रामीण जीवन का यथार्थ और सजीव चित्रण किया है । उन्होंने ग्रामीण परिवेश, लोक संस्कृति और बदलते सामाजिक परिवेश को बड़े ही बारीकी से दर्शाया है । ग्रामीण संस्कृति और लोक जीवन, अंधविश्वास और आस्था को बहुत ही सुन्दर ढंग से दर्शाया गया है । प्रकृति का मानवीकरण किया गया है तथा मानवीय संबंधों की जटिलता को दर्शाया गया है । इस कहानी के माध्यम से ग्रामीण जीवन की आत्मा, उसकी सुन्दरता, समय के साथ हो रहे बदलावों को संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया गया है ।

(ख) कहानी का मुख्य संदेश क्या है ?

उ० बट बाबा कहानी का उद्देश्य प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु प्रेरित करना है । इसके अन्य उद्देश्य लोगों को विभिन्न दृष्टिकोणों, नैतिकता और सामाजिक नियमों के विषय में सिखाना है ।

यह कहानी मनोरंजन और रोमांच से परिपूर्ण तो है ही साथ ही साथ लोगों को शिक्षित, प्रेरित और नैतिक रूप से मजबूत बनाती है ।

(ग) 'बट बाबा' कौन थे और उन्होंने गाँव के लोगो के लिए क्या किया ?

उ० बट बाबा एक विशाल बरगद का पेड़ है जो गाँव की जीवन रेखा और संरक्षक था । इस बरगद के पेड़ ने सैकड़ों वर्षों तक गाँव को छाया, सहारा दिया है और अपनी जड़ों के सींचा था । गाँव वाले उसे अपना रक्षक मानते थे । इस पेड़ ने गाँव वालों को भावनात्मक सहारा दिया था ।

(घ) किन बातों से लगता है कि ग्रामीणों में बट बाबा के प्रति अपार आस्था थी ?

उ० निम्न बातों से लगता है कि ग्रामीणों में बट बाबा के प्रति अपार आस्था थी –

1. बट बाबा के छाया में पूरा गाँव एकत्रित होता था ।
2. गाँव वाले मानते हैं कि बट बाबा उन्हें सभी परेशानियों से बचाते हैं ।
3. बट बाबा के इर्द-गिर्द गाँव के लोग एक जुट होते हैं और सभी अपनी मान्यताओं को साझा करते हैं ।
4. ग्रामीणों में बट बाबा के प्रति अटूट विश्वास है उनकी परम्पराएँ, संस्कृति बट बाबा से जुड़ी है ।

3. वैकल्पिक प्रश्न –

(क) शरीर काला ज्वर से कंकाल मात्र रह गया था –

1. अनंत पंडर का 2. निर्धन साहू का 3. फरजन मियाँ का

उ0 निर्धन साहू का

(ख) किशोरी लड़कियाँ मन ही मन सजाने लगतीं –

1. अरमान 2. इच्छा 3. बातें

उ0 अरमान

(ग) गाँव के बाहर, सड़क के किनारे वह खड़ा था –

1. पिछले दस वर्षों से 2. अज्ञात काल से 3. लगभग सौ वर्षों से

उ0 अज्ञात काल से

(घ) भयभीत पक्षियों ने आरंभ कर दिया –

1. रोना 2. चहकना 3. कलरव

उ0 कलरव

4. सही ☒ या गलत ☒ का चिह्न लगाइए –

(क) निरधन साहू की दुकान पर गाँव की मंडली शाम को बैठती ।

उ0 सही

(ख) वह 'देवता' था हिंदुओं का भी, मुस्लिमों का भी ।

उ0 सही

(ग) वट के नीचे ज़मींदार की तरफ़ से दीपक जलाया जाता ।

उ0 गलत

(घ) भज्जू धानुक की स्त्री बीमार थी ।

उ0 सही

5. आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) हिमालय और भारत वर्ष का जो संबंध है वही संबंध उस वृद्ध पेड़ और गाँव का था ।

उ0 जिस प्रकार हिमालय भारत की सुरक्षा और पोषण करता है वैसे ही बरगद का पेड़ भी भयंकर गर्मी में सुरक्षा प्रदान करता था और भावनात्मक रूप से ग्रामीणों का पोषण करता था । बट बाबा ग्रामीण संस्कृति और लोक जीवन से घनिष्ठ रूप से जुड़े थे ।

(ख) वह सूख गया किंतु गाँव वालों की उस पर श्रद्धा और भक्ति की धारा और भी तीव्र हो गई ।



उ० भयंकर गर्मी के प्रभाव से बरगद का वृक्ष भले ही सुख गया किन्तु उस बरगद के वृक्ष पर ग्रामीणों की श्रद्धा और भक्ति और भी बढ़ गई । उनका मानना था बाबा जाने के समय सब की मनोकामना पूरी करेंगे ।

कल्पना के पंख — विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

भाषा का जादू

1. (क) अ. समास किसे कहते हैं ?

उ० दो या दो से अधिक शब्दों के मध्य से उनकी विभक्तियों का लोप कर नया शब्द बनाया जाता है तो इस प्रक्रिया को समास कहते हैं ।

ब. समास विग्रह से क्या अभिप्राय है ?

उ० जब समस्त पद में प्रयुक्त पदों को उनकी विभक्तियों के साथ अलग किया जाता है, तो उसे समास विग्रह कहते हैं ।

(ख) वैकल्पिक प्रश्न —

अ. जिस समास में दोनों पद मिलकर किसी अन्य अर्थ की ओर संकेत करते हैं, उसे कहते हैं —

- | | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| 1. तत्पुरुष समास | 2. बहुव्रीहि समास | 3. द्विगु समास |
|------------------|-------------------|----------------|

उ० बहुव्रीहि समास

ब. 'आजीवन' में समास है —

- | | | |
|----------------|-------------------|------------------|
| 1. द्विगु समास | 2. अव्ययीभाव समास | 3. कर्मधारय समास |
|----------------|-------------------|------------------|

उ० अव्ययीभाव समास

2. तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए —

उ० हिमालय — हिमगिरि, गिरिराज, नगपति, हिमाद्रि

रात — निशा, रजनी, रैन, यामिनी

आग — अनल, पावक, अग्नि, हुताशन

बेटी — पुत्री, सुता, तनया, लड़की

3. भाववाचक संज्ञा बनाइए —

उ० खुशहाल — खुशहाली

शांत — शांति

शीतल — शीतलता

लाल — लालिमा



4. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

उ० (क) दुनिया बिगड़ जाना (गृहस्थी या जीवन बर्बाद हो जाना) – जब से उसने अपनी सारी जमा-पूँजी जुए में गँवा दी उसके बाद उसकी तो दुनिया ही बिगड़ गई ।

(ख) निहाल हो जाना (बहुत खुश होना) – बेटा परीक्षा में प्रथम आया तो माँ खुशी से निहाल हो गई ।

(ग) मनफेरना (ध्यान हटाना) – जब से उसने अपनी बातें बदली हैं मेरा उससे मन फिर गया है ।

(घ) कानाफूँसी करना (चुगली करना/निंदा करना) – सदन में नेता एक-दूसरे से कानाफूँसी कर रहे थे जिससे माहौल में तनाव बढ़ गया ।

5. विलोम शब्द लिखिए –

उ० कोमल – कठोर

विशाल – लघु

शीतल – उष्ण

निराशापूर्ण – आशापूर्ण

गतिविधि – विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।